जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 89 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 23 अक्टूबर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

# गत दो दशकों से बिहार के हर चुनाव की शुरुआत नीतीश से होती थी और अंत भी उन्हीं पर होता था

## पर अब गिरते स्वास्थ्य के कारण नीतीश के लिए कठिन हो गया है, जदयू को उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए बाध्य करना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार के प्रभुत्व के कारण बिहार की राजनीति चिरपरिचित और जाने -माने तरीके से ही आगे बढ़ रही थी। अब उनके पीछे हटने से जातीय समीकरणों, गठबंधन की चालों और राजनीतिक अस्तित्व की जद्दोजहद का ऐसा खुला मैदान तैयार हो गया है, जो एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को भी नया रूप दे सकता है। हालांकि, नीतीश ने चुनाव से खुद को पूरी तरह अलग नहीं किया है, लेकिन गिरते स्वास्थ्य के कारण उनके लिए अपनी पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), को फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी तक ले जाना मुश्किल हो रहा है।

- वर्तमान चुनाव में राजनीतिक दल त्रिकोणीय संघर्ष में उलझे हैं और अब बिहार की राजनीति एक ही नेता के चारों तरफ ही नहीं घूमेगी, बल्कि कई सितारे उभरे हैं, अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने के लिए।
- भाजपा ने अपना दांव कुशवाहा जाति पर लगाया है, जिसके नेता सम्राट चौधरी को अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं।
- भाजपा के मुख्यमंत्री पद के लिए दूसरा विकल्प है, एक्स्ट्रीमली बैकवर्ड क्लास (ईबीसी) के नेता (36 प्रतिशत जनसंख्या) हरी सहनी
- जदयू की एक दिक्कत यह है, कि हालांकि, उसकी मूल ताकत बिहार में ईबीसी वोट बैंक है, किन्तु उसके चार में से तीन नेता सवर्ण हैं।
- जदयू की समस्या यह भी है कि नीतीश ने अपने व्यक्तित्व के कारण पार्टी को बांधे रखा और किसी को इतना ताकतवर नहीं बनने दिया कि उनकी जगह ले सके।

पिछले बीस वर्षों से बिहार में हर चुनाव नीतीश कुमार के नाम से शुरू होकर उन्हीं पर खत्म होता था। पार्टियां, गठबंधन, जातीय जोड़-तोड़, सब कुछ उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमता था। लेकिन 2025 का चुनाव उनके स्वास्थ्य कारणों से उनके राजनीतिक सफर के अंतिम चरण जैसा लग रहा है।

नीतीश के धीरे-धीरे सक्रिय राजनीति से पीछे हटने के साथ, बिहार की राजनीति की गति और परिणाम दिशा तय करने वाले एक नेता द्वारा छोड़ा गया खालीपन एकदम सामने नज़र आने लगा है।

इस खालीपन ने सत्ता की लड़ाई को त्रिकोणीय संघर्ष बना दिया है। भाजपा इस जगह को भरने की कोशिश में है, जदयू अपने परंपरागत वोटबैंक को बचाने की जद्दोजहद कर रही है, और छोटी पार्टियां अपना हिस्सा बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास में लगी हैं। इसका नतीजा सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि बिहार में कौन सरकार बनाएगा, बल्कि यह भी कि, जाति, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाओं और चुनावी गणित के दबावों के बीच एन.डी.ए. एकजुट रहेगा है या बिखर जाएगा।

इसने एक ऐसे चुनाव का मंच तैयार कर दिया है, जो किसी एक बड़े नेता द्वारा नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी नेताओं के एक समूह द्वारा परिभाषित होगा।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्र.मंत्री मोदी ने गुजराती नववर्ष की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को गुजरातवासियों को गुजराती नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

- राहुल गांधी ने भी गुजराती नववर्ष की शुभकामना दी। दोनों नेताओं ने एक्स पर सभी के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में अपने संदेश में कहा, ''यह नव वर्ष हर घर में सुख, शांति, समृद्धि और आनंद लाए। गुजरात की उपजाऊ मिट्टी और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से धन्य प्रदेश के मेहनती लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी भावना और जीवंतता सदैव चमकती रहे।''

गांधी ने एक्स पर पोस्ट अपने संदेश में कहा, ''यह नव वर्ष हर परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि लाए। गुजरात के लोगों की समृद्ध संस्कृति और मेहनती भावना वास्तव में प्रेरणादायक है-वे निरंतर ऐसे ही आगे बढ़ ते रहें।'' गांधी की शुभकामनाएं राज्य के निवासियों के कल्याण और प्रगति के लिए उनकी सच्ची आशाएं व्यक्त करती हैं।

# छः दिन में चौथी बार ट्रंप ने दोहराया कि मोदी ने उनसे फोन पर नया वादा किया

## वादा है, ''भारत अब रूस से तेल की खरीद लगातार कम कर रहा है''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बार-बार के इन दावों के बाद एक कूटनीतिक और राजनीतिक संकट उत्पन्न हो गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद में काफी नमी करेगा। कांग्रेस ने कहा कि ''जो मोदी छिपाते हैं, वह ट्रंप उजागर करते हैं।''

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता दूसरी तरफ बार-बार यह कह रहे हैं कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि मोदी ने ट्रंप से ऐसा कोई वायदा किया हो।
- उन्होंने यह टिप्पणी वाइट हाउस पर दिवाली का दिया जलाते हुए ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों और प्रमुख भारतीयों के सामने की।
- विपक्ष ने इस घटनाक्रम पर कटाक्ष किया कि मोदी छुपाते हैं और ट्रंप उजागर करते हैं।

हालांकि मोदी ने ट्रंप के दीवाली शुभकामनाओं का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्होंने तेल आयात के विवादास्पद मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी, जिससे विपक्षी नेताओं और विश्लेषकों के बीच बहस और आलोचना का दौर शुरु हो गया है।

जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर से दावा किया कि भारत ''रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा'' तो कांग्रेस ने हमला बोला और कहा कि यह चौथी बार है जब अमेरिकी नेता ने भारत की नीति की घोषणा की है।

विपक्षी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''जो वह छिपाते हैं, वह ट्रंप उजागर करते हैं।''

यह हमला उस समय हुआ जब ट्रंप ने मोदी से बात की और उन्हें दीवाली की शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने आखिरकार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें कॉल किया और दोनों ने एक-दूसरे से बात की। लेकिन प्रधानमंत्री ने सिर्फ यही कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दीवाली की शुभकामनाएं दीं। लेकिन जहां मोदी छिपाते हैं, वहीं ट्रंप उजागर करते हैं।'' रमेश ने एक्स पर कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दीवाली की शुभकामनाएं देने के अलावा, उन्होंने रूस से भारत के तेल आयात पर बात की और यह आश्वासन लिया कि ये आयात बंद कर दिए जाएंगे। यह छः दिनों में चौथी बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की नीति की घोषणा की है।

जयराम ने कहा, पहले, राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 मई की शाम को ऑपरेशन सिंदूर को बंद करने की घोषणा कर दी, वो भी भारत के प्रधानमंत्री मोदी से पहले।

बुधवार सुबह एक पोस्ट में, मोदी ने कहा, ''धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप, आपकी कॉल और दीवाली की शुभकामनाओं के लिए।''

मोदी ने कहा, ''यह रोशनी का त्योहार है, आशा है कि हमारी दोनों महान लोकतांत्रिक प्रणालियाँ दुनिया को रोशन करती रहेंगी और सभी प्रकार

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# बिहार में महागठबंधन में पड़ी दरार

## 12 सीटों पर घटक दलों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे

पटना, 22 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही महागठबंधन के भीतर सियासी दरारें खुलकर सामने आ चुकी हैं और सहयोगी दल 12 विधानसभा क्षेत्रों में एक- दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं।

- इन 12 में से 6 सीटों पर तो राजद और कांग्रेस आमने-सामने हैं।
- सीट शेयरिंग फॉर्मूला के तहत राजद 143 व कांग्रेस 61 सीटों, वामदल 33, मुकेश सहनी की वीआईपी 15 और इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी 3 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पर, राजद व कांग्रेस के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व की बात नहीं मानी और वे चुनाव मैदान में उतर गए हैं।
- विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सत्तारूढ़ एनडीए को लाभ होगा।

ज़मीनी हकीकत यह है कि जिस महागठबंधन ने मिलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को चुनौती देने का सपना देखा था वो अब आपसी संघर्ष से जूझ रहा है।

इनमें से 7 सीटों पर मतदान दूसरे चरण, 11 नवंबर को होना है, जबकि 5 सीटों पर पहले चरण, 6 नवंबर को मतदान होगा। दूसरे चरण के लिये नामांकन वापसी की अंतिम तारीख गुरुवार , 23 अक्टूबर है, लेकिन अब तक इन उम्मीदवारों के हटने के कोई संकेत नहीं हैं।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के बीच सीधी टक्कर कई सीटों पर देखने को मिल रही है। सीट बंटवारे में राजद को 143 और कांग्रेस को 61 सीटें मिली थीं, लेकिन जमीनी कार्यकर्ता और स्थानीय नेताओं ने अपनी ही पार्टी की घोषणा को दरकिनार कर दिया है। राजद के छह प्रत्याशी कांग्रेस के खिलाफ चुनाव मैदान में डटे हुये हैं।

सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद के चंदन कुमार सिन्हा कांग्रेस प्रत्याशी लालन कुमार के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं। प्राणपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद की इशरत परवीन और कांग्रेस के तौकीर आलम खड़े हैं। वैशाली विधानसभा क्षेत्र से राजद के अजय कुशवाहा कांग्रेस के संजीव सिंह के खिलाफ, कहलगांव विधानसभा क्षेत्र से राजद के रजनीश भारती कांग्रेस के प्रवीण कुशवाहा के खिलाफ, वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद की अनीता देवी कांग्रेस के सतीश कुमार उर्फ़ मंटन सिंह के खिलाफ और

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# भीलवाड़ा के धुवाला में नया औद्योगिक क्षेत्र बनेगा

जयपुर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भीलवाड़ा जिले की माण्डल तहसील के ग्राम

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रीको को 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी।

धुवाला में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) के लिएभूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री ने रीको को ग्राम धुवाला में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। यह भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11ए के अंतर्गत गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की शर्त पर आवंटित की गई है।

# संजय अग्रवाल व वी.के. सिंह सँभालेंगे राजस्थान की कानून-व्यवस्था

## चौंतीस आईपीएस का तबादला, आनंद श्रीवास्तव डीजीएसओजी, सचिन मित्तल जयपुर पुलिस कमिश्नर बने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 22 अक्टूबर । राज्य सरकार ने आदेश जारी कर बुधवार को भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के 34 अधिकारियों का तबादला किया है। आई.पी.एस. संजय अग्रवाल और वी.के.सिंह को राजस्थान में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद से बीजू जॉर्ज जोसेफ को हटाकर अब सचिन मित्तल को यह जिम्मा दिया गया है। जोसेफ को मित्तल की जगह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कार्मिक के पद पर लगाया है। साथ ही आई.पी.एस. दिनेश एम.एन. को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर का एडीजी बनाया गया है।

- दिनेश एमएन को एंटी टैररिस्ट स्क्वॉड एटीएस तथा एजीटीएफ का अतिरिक्त महानिदेशक बनाया, विशाल बंसल अतिरिक्त महानिदेशक एमओजी बने।

आदेश के मुताबिक संजय कुमार अग्रवाल को महानिदेशक पुलिस तथा वी.के. सिंह को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर जिम्मेदारी सौंपी है। वर्ष 1993 बैच के आई.पी.एस. गोविंद गुप्ता को महानिदेशक ए.सी.बी. के पद पर लगाया गया है। इससे पहले वे जेल महानिदेशक थे। इसी प्रकार वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अनिल पालीवाल को सरकार ने डीजी प्रशिक्षण एवं यातायात में लगा दिया है। वे अभी तक टेलीकॉम और ट्रैफिक में अपनी सेवा दे रहे थे। 1994 बैच के आईपीएस आनंद श्रीवास्तव को महानिदेशक स्पेशल ऑपरेशन्स (एसओजी) के पद पर लगाया है। पहली बार एसओजी-एटीएस में डीजी का पद बनाया गया है।

वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अशोक राठौड़ को जेल महानिदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। मालिनी अग्रवाल को महानिदेशक एवं कमांडेड जनरल, गृह रक्षा, राजस्थान जयपुर, डॉ. प्रशाखा माथुर को अतिरिक्त महानिदेशक आयोजना, आधुनिकीकरण व कल्याण, राजस्थान के पद पर लगाया है। सुष्मित विश्वास को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल्वेज राजस्थान, संजीव कुमार नर्जरी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कम निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर, विशाल बंसल को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष प्रचलन समूह (एस.ओ.जी.) के पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसी प्रकार डॉ. हवा सिंह घुमरिया को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा, राजस्थान, एस.सेंगाथिर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतर्कता राजस्थान, पी. रामजी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल राजस्थान, रूपिन्दर सिंह को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर्म्ड बटालियन एवं राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) के पद का जिम्मा सौंपा है।

भूपेन्द्र साहू को अतिरिक्त पुलिस

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# वाराणसी एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग

वाराणसी, 22 अक्टूबर। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) की सूचना के बाद

- विमान में ईंधन रिसाव की सूचना के बाद यह कदम उठाया गया।

वाराणसी लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी।

पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर विमान को शाम 4:10 बजे सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा गया।

गोमती जोन पुलिस के अनुसार, विमान में सवार सभी 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। यात्रियों को सुरक्षित

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# विश्व के सबसे जाने-माने म्यूज़ियम लूव्र में चोरी की ऐतिहासिक घटना एक टीवी इवेंट बनी

## चोरी की वारदात की कमियाँ, खास बातों पर टीवी में बहस चल रही है, जैसे कोई क्रिकेट मैच पर एक्सपर्ट कमैंट आते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित संग्रहालयों में से एक लूव्र को चोरों के एक संगठित गिरोह ने लूट लिया और उन्होंने उन्नीसवीं सदी के अनमोल क्राउन जूल्स चुरा लिए।

चोरी किए गए आभूषण दुनिया के सबसे कीमती आभूषण हैं। जो न केवल लाखों में हैं, बल्कि अपने आप में अनूठे हैं, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता। ये आभूषण उन्नीसवीं सदी में फ्रांसीसी शाही परिवार के सदस्यों के थे जब कुलीन वर्ग अपनी महिमा और शक्ति के शिखर पर थे।

हीरे और पन्नों से जड़े ये आभूषण, जो यूरोप के प्रमुख आभूषण निर्माताओं की बारीक कारीगरी का नमूना थे, उस समय तो वे अद्वितीय थे ही, पर आज के दौर में चमत्कार से कम नहीं हैं। चोरों ने जिस तरह से चोरी को अंजाम दिया, उससे फ्रांसीसी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।

- घटना चोरी की अद्भूत थी, क्योंकि रात के अंधेरे में नहीं, दिन के उजाले में म्यूज़ियम खुलने के बाद हुई।
- चोरी गए आभूषण व अन्य आर्टिफैक्ट्स उस काल के थे, जब फ्रांस अपने वैभव के चरम पर था, उन्नीसवीं शताब्दी में।
- एक्सपर्ट इस बात पर एकमत से थे कि बेशकीमती हीरा-पन्ना जटित आभूषण बरामद हो जायेंगे, हालांकि, कई टीमें बनाकर भेजी जा चुकी हैं, चोरी को अंजाम देने वालों को पकड़ने के लिए।

यह कृत्य रात के अंधेरे में नहीं किया गया, बल्कि यह चोरी सुबह के समय संग्रहालय के खुलने के आधे घंटे के अंदर, पेरिस के एक व्यस्त हिस्से के बीच हुई। हालांकि, कुछ संयोग भी थे।

अपनी जल्दबाजी या कहें कि लापरवाही में, चोरों ने सम्राज्ञी यूजीन का अनमोल ताज गिरा दिया, जो नेपोलियन की पत्नी थीं, और वह सड़क पर पड़ा हुआ मिला। इस ताज में 1350 से अधिक हीरे और लगभग 57 पन्ने थे।

यह चोरी कोई गुप-चुप घटना नहीं थी, बल्कि यह खुलेआम दिन के उजाले में हुई थी, पेरिस के केंद्रीय इलाके में क्वाई फ्रैंकोइस मितराँ पर, जहाँ एक बड़ी मोबाइल सीढ़ी लूव्र की दीवारों पर लगाई गई थी, ताकि ऊपरी मंजिल के कक्ष तक पहुंचा जा सके, जहां आभूषण प्रदर्शित थे।

यूरोप भर में और प्रमुख आभूषण विक्रेताओं को इस चोरी के बारे में चेतावनी भेजी गई है ताकि इन अमूल्य कलाकृतियों के खरीद-फरोख्त को जल्दी से ट्रैक किया जा सके। हालांकि, जिस विशेषज्ञता से पूरी चोरी की योजना बनाई गई और अंजाम दी गई, इससे यह साफ है कि चोर बेहद सतर्क होंगे।

इस दुस्साहसी चोरी में चोरों ने एक ट्रक पर लदी सीढी का इस्तेमाल करके संग्रहालय की पहली मंजिल की खिड़की तक पहुँचे और फिर बिजली से चलने वाले कटर से खिड़की को काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद, वे एक गैलरी से होकर यात्रा की और उस कक्ष तक पहुंचे जहाँ आभूषण प्रदर्शित थे।

यह डकैती तो शर्लक होम्स को भी निश्चित रूप से हैरान करती, अगर लूव्र की चोरी का यह मामला बीसवीं सदी की शुरुआत में उनके पास आता और वॉटसन उनके सामने बैठे होते तो वे भी हैरान होते। दुर्भाग्यवश, यह घटना सौ साल बाद हुई, और अब यह केवल शर्लक होम्स सोसाइटी ही है, जो अब अपने इन-हाउस सत्रों में सक्रिय हो सकती है।

होम्स के जमाने में तो जब टीवी पत्रकारिता अस्तित्व में नहीं थी, लेकिन अभी कई यूरोपीय और अमेरिकी टीवी चैनल्स पुराने आभूषण चोरों से बातचीत कर रहे हैं, जो इस पूरे योजना के विशेषज्ञ दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं।

ये पुराने चोर वे पूरी योजना और कार्यान्वयन की सराहना तो करते हैं, वे कई गलतियों और असफलताओं की ओर भी इशारा करते हैं, जो चोरों को पकड़ने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने एक मोटरसाइकिल छोड़ी है, जिसे चोरों ने जलाने की कोशिश की थी।

चुराए गए आभूषणों में नेपोलियन की रानी यूजीन और फ्रांसीसी शाही परिवार के अन्य सदस्यों के आभूषण शामिल हैं। खोए हुए आभूषण मुख्य रूप

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'गृहमंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई'

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आज 61 वें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री को एक्स पर 61 वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर साझा किए गए एक संदेश में, शाह के जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण और भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। '' गृह मंत्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण और प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए उनके अथक प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे।''

## विचार बिन्दु

मनुष्य अपना स्वामी नहीं, परिस्थितियों का दास है। –भगवतीचरण वर्मा

# राजस्थान में कृषि शिक्षा को केंद्र के अधीन अथवा उपभोक्ता संरक्षण क़ानून के अंतर्गत लाना अब बेहद जरुरी!

राज्य में कृषि शिक्षा की जो दुर्दशा राज्य सरकार ने की है वैसी पूर्व में कभी नहीं देखी गयी। ढाई दशक से दोनों पार्टिओं की सरकारों ने इस दुर्दशा को बढ़ाने में योगदान दिया। प्रशासन में सचिव वित्त, सचिव कृषि और उनके सहयोगिओं ने इस अवनति प्रक्रिया में सम्बंधित मंत्रिओं और मुख्य मंत्री का भरपूर सहयोग किया।

इसलिए यदि दोषी माना जाये तो सम्पूर्ण शासन-प्रशासन व्यवस्था ही इस विध्वंश के लिए जिम्मेदार है।

खामिजामा इसका बहुत बड़ा है देश द्रोह जैसा, एक तो धोखा उन छात्रों और उनके अभिवावकों के साथ जो विज्ञापन के अनुसार कृषि शिक्षा ग्रहण करने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिए और जिस पर पेरेंट्स ने चार वर्षों तक उस शिक्षा का वित्तीय भार झेला हो सकता है, कईओं ने कर्ज भी लिया हो किसी ने अपनी खेती कुछ वर्ष के लिए किसी से आर्थिक सहयोग के बदले उसे एक अवधि के लिए दे दी हो और कुछ ने संभवत: अपनी पुश्तैनी खेती इस खातिर बेच भी दी हो, इन सबसे बेखबर और बेफिक्र राज्य की शासन व्यवस्था समुचित शिक्षा संसाधन उपलब्धता जुटाने में निष्क्रिय और असफल रही।

यह लेख लिखने के लिए मैंनें कृषि शिक्षित छात्रों के बहुत सीमित एम्प्लॉयमेंट अवसरों या कहें नगण्य अवसरों की एक अंग्रेजी अखवार टाइम्स ऑफ़ इंडिया दिनांक अक्टूबर 6 में छपी खबर पढ़ने के उपरान्त उत्पन्न मानसिक पीड़ा स्वरुप लिखा। खबर का आधार नेशनल इंस्टीटूशनल रैंकिंग फ्रेम वर्क के आंकलन को आधार बनाते हुए भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के डिप्टी डायरेक्टर जनरल डॉ आर.सी. अग्रवाल द्वारा विस्तृत विश्लेषण करते हुए लिखी गई। पूरा व्योरा पढ़ने पर आभास हुआ कि राजस्थान में कृषि शिक्षा व् अनुसन्धान के बारे ये कितनी सटीक और सत्य प्रतीत होती है। खबर के अनुसार केवल 29 प्रतिशत कृषि स्नातक ही कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए योग्य पाए गए। रिपोर्ट आगे भी बहुत कुछ कहती है विशेष तौर पर कि अधिकांश प्रत्याशी प्रैक्टिकल और स्किल्स परफॉर्म करने में नाकाम थे। इसका आशय है कि अध्ययन की अवधि में प्रैक्टिकल और प्रैक्टिस दक्षता व् आधुनिक उपकरणों पर कार्य अनुभव में वे सभी अयोग्य साबित हुए।

अभी यह एक आंकलन रिपोर्ट है आगे ऐसी रिपोर्टें और पब्लिश होंगी। तब कृषि शिक्षा में गिरावट की भयावता जनता और किसान सभी जानेंगे। सरकार तो इस गिरावट की जननी है ऐसी रिपोर्टें छपती रहें कोई परवाह नहीं, जब तक कि देश और राज्य वर्ष 1964-65 की स्तिथि में नहीं पहुँच जाते और केंद्र के प्रधान तथाकथित सेवक मय अपने कृषि मंत्री और कुछ पूर्व कृषि वैज्ञानिकों को लेकर अन्य देशों में कटोरा लेकर नहीं निकलते ?

**यदि भारत को कृषि संपन्न और सुद्रण बनाये रखना है तो यह काम केंद्र की परिधि में ही वांछनीय है। यह ऐसा महत्वपूर्ण महकमा है जिसे हम देश की रीढ़ कह सकते हैं। देश की समस्त जनता की उदरपूर्ति और स्वास्थ्य यदि ठीक से साध लिया गया तो सभी अन्य संसाधनों को सुचारु चलाने के लिए कोई भी व्यक्ति अपने शरीर और उदर को नहीं देखेगा।**

राजस्थान की सरकार के बारे में तो मैं विश्वास से कह सकता हूँ कि यही दशा रही तो प्रदेश भविष्य में कृषि उत्पादन श्रेणी में नीचे से पहली पायदान पर होगा। इस लेख के पाठक मेरी यह बात संजो के रख लें जिससे वह समय आने पर वे कह सकें कि एक लेखक ने ऐसी स्तिथि के लिए पूर्व में चेताया था।

जब वैसी स्तिथि सामने होगी उस समय कृषि विश्व विद्यालयों की प्रयोगशालाओं में उपस्तिथि देशी और विदेशी उपकरण जंग खाकर कवाड में नीलाम हो जायेंगे। तब की सरकारें संभवत: फिर से वर्ल्ड बैंक अथवा ऐसी ही कोई और अन्तर्राष्ट्रीय संस्था से कर्ज या आर्थिक सहायता की गुहार करेंगी। लेकिन भारत में तब कोई स्वामीनाथन अथवा बोरलॉग सरीखा वैज्ञानिक उपलब्ध नहीं होगा।

देश कितनी ही तरक्की कर ले तरक्की के स्थायुत्व और सतत विकास का रास्ता तब तक नहीं खुलेगा जब तक कृषि शिक्षा, अनुसन्धान और उसके खेतों तक प्रसार की कड़ियाँ निर्माण होकर सुद्रण नहीं बनेंगी। ऐसा तभी संभव होगा जब सम्पूर्ण कृषि शिक्षा, अनुसन्धान और तकनीक प्रसार के कार्य को केंद्र अपने हाथ में नहीं लेता।

इसलिए यदि भारत को कृषि संपन्न और सुद्रण बनाये रखना है तो यह काम केंद्र की परिधि में ही वांछनीय है। यह ऐसा महत्वपूर्ण महकमा है जिसे हम देश की रीढ़ कह सकते हैं। देश की समस्त जनता की उदरपूर्ति और स्वास्थ्य यदि ठीक से साध लिया गया तो सभी अन्य संसाधनों को सुचारु चलाने के लिए कोई भी व्यक्ति अपने शरीर और उदर को नहीं देखेगा।

मैं जो ऐसा अनुभव कर पा रहा हूँ उसका मुख्य कारण है मेरा भुक्तभोगी होना। वर्ष 1962 के बाद के समय मैंनें अपने परिवार सहित अमेरिका का लाल गेंहू खाया है जिसे परिवार का कोई सदस्य घंटों राशन की दूकान पर लाईन में खड़े होकर प्राप्त करता था। आज की पीड़ी ऐसी अवस्था की पीड़ा को तबतक अनुभव नहीं सकती जबतक वे एक बार ऐसी स्तिथि से न गुजरें।

अंत मैं मेरी केंद्र सरकार से गुजारिश है कि वह राजस्थान प्रदेश की सम्पूर्ण कृषि शिक्षा, अनुसन्धान और सम्बंधित टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का ताना-बाना अविलम्ब अपने अधीन करे। यदि ऐसा करना असंभव हो तो इस शिक्षा, अनुसन्धान और तकनिकी प्रसार कार्य को 'उपभोक्ता संरक्षण क़ानून' के अंतर्गत किया जाय ताकि अपने अधिकार के लिए सम्बंधित लोग संघर्ष कर सकें और अधिकारों पर कुठाराघात करने वालों को उत्तरदायी ठहरा कर उन पर समुचित आर्थिक दंड दिलवा सकें।

मेरा यह सुझाव सम्पूर्ण कृषि क्षेत्र के बचाव, उन्नयन और विकास के लिए श्रेयकर रहेगा और प्रदेश का किसान सभी दृष्टिओं से अधिक लाभान्वित होगा। आशा करता हूँ कृषि के बारे में मेरे इन दो सुझावों पर सरकार निष्पक्ष विचार कर निर्णय लेगी।

बिघटन होते ओर न देखें वांछित कार्यवाही अपेक्षित है। श्रीराम किसानी और किसानों की भली करें।

**–अतिथि सम्पादक,**
**प्रो.वीर बहादुर सिंह,**
**पूर्व कुलपति एवं डीन डेरी व् खाद्य प्रौद्योगिकी,**
**महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर राजस्थान**

## राशिफल गुरूवार 23 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 4:51 तक, आयुष्मान योग शुक्रवार प्रात: 5:00 तक, बालव करण दिन 9:32 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:06 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-तुला, चन्द्रमा-तुला, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और रवियोग रात्रि 4:51 से आरम्भ होगा। सायन वृश्चिक में सूर्य प्रवेश प्रात: 9:21 पर करेगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, भैया दूज, यम द्वितीया, चित्र गुप्त पूजा, कलम दवात पूजा है। आज विश्वकर्मा दिवस है। आज से राष्ट्रीय कार्तिक मास आरम्भ होगा और हेमन्त ऋतु आरम्भ होगी।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ सूर्योदय से 7:59 तक, चर 10:47 से 12:11 तक, लाभ अमृत 12:11 से 2:59 तक, शुभ 4:24 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 5:55

**मेष**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

**सिंह**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**धनु**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**वृष**
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

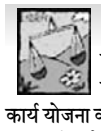

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

**कुंभ**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कर्क**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृश्चिक**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। घर-परिवार में महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

**मीन**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

# भारतीय संस्कृति में प्रकृति संरक्षण का प्रतीक है "गोवर्धन पूजा"

**गोवर्धन पूजा को अन्नकूट महोत्सव भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भोजन का पहाड़। इस दिन भक्तजन 56 प्रकार के व्यंजन छप्पन भोग तैयार कर भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत को अर्पित करते हैं**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दीपोत्सव की आलोकमय श्रृंखला में दीपावली के अगले दिन मनाई जाने वाली गोवर्धन पूजा भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है जो केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, संरक्षण और सह-अस्तित्व की चेतना का उत्सव है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के वरदानों पर टिका है, और उनका सम्मान करना ही सच्चा धर्म है। बृज क्षेत्र में स्थित गोवर्धन पर्वत न केवल पौराणिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही वह पर्वत है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में अपनी छोटी उंगली पर उठाकर बृजवासियों को भीषण वर्षा से बचाया था। इस कथा में निहित संदेश केवल दैवी चमत्कार का नहीं, बल्कि यह प्रकृति की शक्तियों के प्रति आदर और संतुलन का प्रतीक है।

विष्णु पुराण के अनुसार, जब ब्रजवासी वर्षा देव इंद्र की पूजा करते थे, तब बालक कृष्ण ने उन्हें समझाया कि वर्षा और समृद्धि का वास्तविक स्त्रोत गोवर्धन पर्वत और प्रकृति है, जो पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और मनुष्यों को जीवनदायिनी ऊर्जा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इंद्र नहीं, इस पर्वत की पूजा करो, जो तुम्हें जीवन देता है। यही वह क्षण था जब मानव ने पहली बार ईश्वर के साथ-साथ प्रकृति को भी पूज्य मानने की परंपरा को अंगीकार किया।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब भगवान श्रीराम लंका विजय हेतु सेतु निर्माण का कार्य कर रहे थे, तब उन्होंने वानर सेना को पर्वत और विशाल पत्थर लाने का आदेश दिया। हनुमान जब द्रोणगिरी पहुंचे तो वहाँ गोवर्धन पर्वत मिले, जिन्होंने विनम्रतापूर्वक श्रीराम की सेवा में जाने की अनुमति दी किंतु शर्त रखी कि उन्हें भगवान के दर्शन अवश्य कराए जाएं।

हनुमान गोवर्धन को लेकर समुद्र तट की ओर जा ही रहे थे कि तभी संदेश मिला कि पुल निर्माण पूरा हो गया है। उन्होंने गोवर्धन को ब्रजभूमि में स्थापित कर दिया। हनुमान ने भगवान राम से प्रार्थना की और प्रभु ने आश्वासन दिया कि द्वापर युग में श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेकर वे स्वयं गोवर्धन की पूजा करेंगे। यही वचन श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की दिव्य लीला के रूप में पूर्ण हुआ। गोवर्धन परिक्रमा हिंदू आस्था में अत्यंत पवित्र मानी जाती है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा भगवान श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। भक्तजन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर अपने जीवन से अहंकार, पाप और नकारात्मकता को दूर करने का संकल्प लेते हैं। यह यात्रा आत्मशुद्धि, संयम और आध्यात्मिक उन्नित का माध्यम मानी जाती है। परिक्रमा के दौरान हर कदम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, जीवों के प्रति करुणा और ईश्वर पर पूर्ण विश्वास का संदेश देता है।

गोवर्धन पूजा को अन्नकूट महोत्सव भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भोजन का पहाड़। इस दिन भक्तजन 56 प्रकार के व्यंजन छप्पन भोग तैयार कर भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत को अर्पित करते हैं। यह अर्पण केवल धार्मिक भाव से नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का माध्यम है। खेतों की उपज, जल, पशुधन और पृथ्वी की उर्वरता सब कुछ उसी प्राकृतिक चक्र का परिणाम हैं।

यह पर्व इन सभी की रक्षा और सम्मान करने का संदेश देता है। ब्रजभूमि सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अनूठे उल्लास के साथ मनाया जाता है। लोग गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत के प्रतीक स्वरूप आकृतियाँ बनाते हैं, उन्हें पुष्पों और रंगों से सजाते हैं, और कीर्तन-भजन करते हुए परिक्रमा करते हैं। यह परंपरा धरती माता और गौमाता के प्रति भारतीय श्रद्धा की जीवंत अभिव्यक्ति है।

दीपावली के अगले दिन ब्रजभूमि में मंदिरों में अन्नकूट प्रसादी का आयोजन होता है। श्रद्धालु अपने घरों में गोबर से बने गोवर्धन की पूजा करते हैं और सामूहिक भंडारों में प्रसाद वितरित करते हैं। प्रमुख मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की मूर्तियों का दूधाभिषेक किया जाता है तथा मंदिरों को पुष्पों और दीपों से सजाया जाता है। ब्रजवासियों के लिए यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपने आराध्य श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को स्मरण करने का अवसर है। स्थानीय लोकगीतों और भजनों में गोवर्धन की महिमा का वर्णन होता है। गिरिराज धरण की जय हो का जयघोष आज भी प्रकृति की शक्ति के प्रति भारतीय आस्था का जीवंत प्रतीक है।

गोवर्धन पर्वत का इतिहास महाभारत काल से भी जुड़ा है। द्रोणाचल पर्वत के पुत्र गोवर्धन की सुंदरता देखकर पुलस्त्य ऋषि ने उसे काशी में स्थापित करने का मन बनाया। किंतु ब्रजभूमि पर पहुँचते ही गोवर्धन वहीं स्थिर हो गया। ऋषि के श्राप से उसे प्रतिदिन तिल-तिल घटने का अभिशाप मिला, और आज भी कहा जाता है कि गोवर्धन पर्वत का आकार धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। यह कथा प्रतीकात्मक रूप से बताती है कि यदि मनुष्य प्रकृति के साथ अपने अहंकार के कारण छेड़छाड़ करेगा, तो वह धीरे-धीरे उसका क्षय कर देगा। श्रीकृष्ण द्वारा उसी गोवर्धन पर्वत को उठाकर इंद्र के घमंड का दमन करना यह संदेश देता है कि प्रकृति से विरोध नहीं, सहयोग ही जीवन का मूलमंत्र है। गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि मनुष्य का अस्तित्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश इन पंचतत्वों पर निर्भर है। इन्हीं तत्वों का संतुलन ही सृष्टि के जीवन चक्र को संचालित करता है। जब मनुष्य अहंकारवश इन तत्वों का शोषण करने लगता है, तब प्रकृति प्रतिशोध के रूप में आपदाओं, अतिवृष्टि या अनावृष्टि के रूप में चेतावनी देती है।

गोवर्धन पर्व की कथा इसी चेतावनी का रूपक है। जब इंद्र के घमंड से उत्पन्न मूसलाधार वर्षा ने ब्रज को डुबो दिया, तब कृष्ण ने पर्वत उठाकर जीवों की रक्षा की। यह रक्षा केवल भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक भी थी। उन्होंने समाज को सिखाया कि प्रकृति की पूजा करो, क्योंकि वही तुम्हारा वास्तविक रक्षक है।

आज जब जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियाँ सामने हैं, तब गोवर्धन पूजा का संदेश और भी प्रासंगिक हो उठता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि विकास का अर्थ केवल भौतिक प्रगति नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व है।

यदि हम अपने पर्यावरण को प्रदूषित करेंगे, वनों को नष्ट करेंगे, जल स्त्रोतों को सूखने देंगे, तो अंतत: वही संकट हमारे अस्तित्व को चुनौती देगा। गोवर्धन पूजा का यह संदेश आज के युग में प्रकृति पूजन से प्रकृति संरक्षण तक का सामाजिक अभियान बन सकता है। गोवर्धन पूजा भारतीय जीवनदर्शन की उस मूल भावना का प्रतीक है जहाँ धर्म, संस्कृति और पर्यावरण एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। यह पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवता के लिए प्रकृति संरक्षण का सार्वभौमिक संदेश है। ब्रज की गोवर्धन परिक्रमा हो या छप्पन भोग का अर्पण, यह सब उस ऋण को चुकाने का प्रयास है जो मनुष्य प्रकृति से लेता आया है। श्रीकृष्ण की सीख आज भी उतनी ही प्रासंगिक है कि प्रकृति हमारी पूज्य माता है, उसका आदर और संरक्षण ही सच्चा धर्म है। गोवर्धन पूजा इस चेतना का शाश्वत उत्सव है।

**–भजनलाल शर्मा,**
**मुख्यमंत्री, राजस्थान**

# उच्च शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग : मुद्दे, चुनौतियां और संभावनाएं

**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जो कभी विज्ञान फिक्शन का विषय हुआ करता था, आज उच्च शिक्षा के परिदृश्य को तेजी से बदल रहा है**

प्रो. अशोक कुमार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), जो कभी विज्ञान फिक्शन का विषय हुआ करता था, आज उच्च शिक्षा के परिदृश्य को तेजी से बदल रहा है। शिक्षण और सीखने के तरीके को बेहतर बनाने की अपार क्षमता के कारण, AI अब केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि शैक्षणिक विकास का एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन गया है। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान भी इस परिवर्तन को अपना रहे हैं, जिससे छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। हालांकि, इस क्रांति के साथ-साथ कई नैतिक, संरचनात्मक और शैक्षणिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं, जिन पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है।

**उच्च शिक्षा में AI का उपयोग और अवसर**

AI, उच्च शिक्षा के कई पहलुओं में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है:-

**1. व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव**

AI -संचालित प्लेटफॉर्म प्रत्येक छात्र की सीखने की गति, शैली और ज्ञान के स्तर के अनुरूप सामग्री और प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं। यह शिक्षकों को एक ही पाठ्यक्रम के भीतर भिन्न-भिन्न आवश्यकताओं वाले छात्रों को प्रभावी ढंग से समर्थन देने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, AI ट्यूटरिंग सिस्टम छात्रों को उनके कमजोर क्षेत्रों की पहचान करके वास्तविक समय में सहायता प्रदान करते हैं।

**2. प्रशासनिक दक्षता और कार्यभार में कमी**

AI, प्रवेश प्रक्रिया, छात्र सहायता, पाठ्यक्रम पंजीकरण और ग्रेडिंग जैसे दोहराव वाले प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित कर सकता है। इससे शिक्षकों का समय बचता है, जिसे वे शोध, पाठ्यक्रम विकास और छात्रों के साथ अधिक सार्थक बातचीत में लगा सकते हैं। चैटबॉट्स छात्रों के सामान्य प्रश्नों का 24/7 उत्तर देकर तत्काल सहायता प्रदान करते हैं।

**3. मूल्यांकन और प्रतिक्रिया**

AI, असाइनमेंट और परीक्षाओं के स्वचालित मूल्यांकन में मदद करता है, जिससे ग्रेडिंग की प्रक्रिया तेज और अधिक सुसंगत हो जाती है। यह न केवल समय बचाता है, बल्कि छात्रों को जल्दी और विस्तृत प्रतिक्रिया भी सुनिश्चित करता है, जिससे वे अपनी गलतियों को तुरंत सुधार सकें।

**4. सुगमता और समावेशिता**

AI -आधारित उपकरण जैसे कि टेक्स्ट-टू-स्पीच, ऑटो-ट्रांसलेशन और क्षेत्रीय भाषा समर्थन शिक्षा को अधिक सुलभ बनाते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों और विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करना आसान हो जाता है, जिससे शैक्षणिक असमानता कम होती है।

**5. अनुसंधान में सहायता**

AI उपकरण, जैसे कि डेटा विश्लेषण और पैटर्न पहचान एल्गोरिदम, शोधकर्ताओं को बड़े डेटासेट को संसाधित करने और नए ज्ञान उत्पन्न करने में मदद करते हैं, जिससे शोध की गति और गहराई बढ़ती है।

**प्रमुख मुद्दे और चुनौतियां :-**

AI के लाभों के साथ ही कई गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनका समाधान करना जरूरी है:-

**1. शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी**

जनरेटिव AI टूल जैसे कि ChatGPT छात्रों को आसानी से असाइनमेंट और निबंध तैयार करने की अनुमति देते हैं। यह शैक्षणिक ईमानदारी के संकट को जन्म देता है, जहाँ छात्र सीखने की प्रक्रिया को दरकिनार कर देते हैं। शिक्षकों को अब यह सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांकन के तरीकों को फिर से डिज़ाइन करना होगा कि वे छात्रों के मौलिक विचार और आलोचनात्मक सोच का परीक्षण करें।

**2. नैतिक पूर्वाग्रह और निष्पक्षता**

AI सिस्टम को जिस डेटा पर प्रशिक्षित किया जाता है, यदि वह डेटा पूर्वाग्रही हो, तो AI भी समाज में मौजूदा असमानताओं और भेदभाव को दोहरा सकता है। उदाहरण के लिए, एक भर्ती AI, ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के खिलाफ पक्षपात कर सकता है। उच्च शिक्षा संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके अनुप्रयोग निष्पक्ष और न्यायसंगत हों।

**3. डेटा गोपनीयता और सुरक्षा**

AI -आधारित प्रणालियों को छात्र प्रदर्शन, व्यवहार पैटर्न और व्यक्तिगत जानकारी सहित संवेदनशील डेटा की बड़ी मात्रा को एकत्र और विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है। इस डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि साइबर सुरक्षा जोखिमों का खतरा हमेशा बना रहता है।

**4. डिजिटल विभाजन और पहुंच की असमानता :-**

AI प्रौद्योगिकियों को लागू करने के लिए महंगे बुनियादी ढांचे, तेज इंटरनेट और उन्नत उपकरणों की आवश्यकता होती है। यह डिजिटल विभाजन को और गहरा कर सकता है, जहाँ आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले छात्रों को इन अवसरों से वंचित होना पड़ सकता है।

**5. मानव स्पर्श संस्थापन:**

AI शिक्षकों के कार्यभार को कम कर सकता है, लेकिन इस बात का खतरा भी है कि छात्र-शिक्षक के बीच व्यक्तिगत और भावनात्मक संबंध कमजोर हो सकते हैं। शिक्षा केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं है; यह आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और सामाजिक-भावनात्मक कौशल के विकास के लिए मानव संपर्क पर भी निर्भर करती है।

**6. शिक्षक तैयारी और : AI**

अधिकांश शिक्षक AI टूल के प्रभावी उपयोग और उनके नैतिक निहितार्थों से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। AI को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिए, शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए AI साक्षरता और प्रशिक्षण में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता है।

भविष्य की संभावनाएं और आगे की राह (Prospects and Way Forward)

AI उच्च शिक्षा के भविष्य को आकार देने के लिए असीम संभावनाएं प्रस्तुत करता है, बशर्ते हम चुनौतियों का समाधान विवेकपूर्ण तरीके से करें।

**1. नवाचार और नए कौशल (Innovation and New Skills)**

AI, आलोचनात्मक सोच, जटिल समस्या-समाधान, रचनात्मकता और अनुकूलनशीलता जैसे 21वीं सदी के कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पाठ्यक्रम को बदलने का अवसर प्रदान करता है। छात्र AI को एक उपकरण के रूप में उपयोग करना सीखेंगे, न कि केवल एक प्रतिस्थापन के रूप में।

**2. जिम्मेदार AI के लिए शासन (Governance for Responsible AI)**

संस्थानों को AI के उपयोग के लिए स्पष्ट नैतिक दिशानिर्देश और नीतियां विकसित करनी होंगी। इन नीतियों को निष्पक्षता, पारदर्शिता और डेटा गोपनीयता के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए, ताकि AI का उपयोग समावेशी और न्यायसंगत तरीके से हो सके।

**3. सहयोगी शिक्षण मॉडल :-**

AI को शिक्षक का विकल्प नहीं, बल्कि एक सहकर्मी माना जाना चाहिए। भविष्य का मॉडल एक हाइब्रिड दृष्टिकोण होगा, जहाँ AI प्रशासनिक और दोहराव वाले कार्यों को संभालता है, जबकि शिक्षक छात्रों को मार्गदर्शन, प्रेरणा और मानवीय अंतर्दृष्टि प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सरकारों और HEIs को AI -आधारित प्रौद्योगिकियों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। इक्विटी सुनिश्चित करने के लिए, लक्षित हस्तक्षेपो के माध्यम से वंचित छात्रों के लिए संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

**निष्कर्ष–** उच्च शिक्षा में AI का आगमन एक अपरिवर्तनीय क्रांति है। यह शिक्षा के दायरे को विस्तृत करने, व्यक्तिगत अनुभवों को बेहतर बनाने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की अभूतपूर्व क्षमता रखता है। हालांकि, इसकी सफल और नैतिक तैनाती के लिए सावधानीपूर्वक योजना, मजबूत नैतिक ढांचे और शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। अगर AI को जिम्मेदारी के साथ और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ अपनाया जाए, तो यह निश्चित रूप से भविष्य की शिक्षा को मजबूत, सुलभ और न्यायसंगत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि मानव क्षमता को अधिकतम करना है, और AI इस लक्ष्य को प्राप्त करने का एक शक्तिशाली साधन हो सकता है।

**–प्रो. अशोक कुमार,**
**पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर**

## महिला जज की चेन लूटी

**बीकानेर।** यहा कलेक्टर आवास के पास महिला जज (ट्रेनी) को 2 बदमाशों ने लूट लिया। बदमाशों ने पहले लात मारकर स्कूटी सवार जज को गिरा दिया था। फिर गले से चेन लूट ली। स्कूटी से गिरने के कारण जज के चेहरे पर चोटें आई हैं। दांत भी टूट गया है। जज को टांके भी लगाने पड़े हैं। पीड़ित के पिता एडवोकेट हैं। उन्होंने (पिता) सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बीकानेर कोर्ट में पिता प्रैक्टिस करते हैं। वही एएसपी सौरभ तिवारी का कहना है कि लूट का प्रयास हुआ है।

बीकानेर के पब्लिक पार्क से जयनारायण व्यास कॉलोनी की ओर जाने वाले मार्ग पर जिला कलेक्टर आवास के पास से पूजा जनागल (25) शाम को स्कूटी पर जा रही थीं।

इसी दौरान बाइक सवार 2 बदमाश उनके बराबर चलने लगे। इन बदमाशों ने स्कूटी को लात मारी, जिससे पूजा गिर गईं। पूजा बीकानेर के बड़ी जसोलाई इलाके की रहने वाली हैं। मुंह के बल गिरने से उनकी ठुड्डी, नाक और मुंह के अंदर तक चोट लगी है। वो संभल पाती, उससे पहले बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन तोड़ कर फरार हो गए। घायल पूजा जनागल ने अपने पिता श्रवण जनागल को घटना की जानकारी दी। पूजा को पहले पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। वहां उनकी ठुड्डी पर 3 टांके लगाए गए। कुछ जांचें भी करवाई गई हैं। इसके बाद उनके पिता श्रवण जनागल सदर थाने पहुंचे। रात करीब 12 बजे सदर थाने में मामला दर्ज हुआ। घटना मंगलवार शाम करीब 7 बजे की है। पूजा का आरजेएस में चयन साल 2024 में हुआ था। जज के पिता एडवोकेट श्रवण जनागल न एफआईआर में चेन तोड़ने की बात लिखवाई है।

# जनप्रतिनिधियों ने आमजन से मुलाकात कर दी दीपावली की शुभकामनाएं

- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को सादुलगंज स्थित अपने आवास पर दिनभर आमजन से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी। गोदारा से बीकानेर शहर के अलावा लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने मुलाकात की। मंत्री गोदारा ने सभी को बधाई दी और कहा कि दीपावली खुशियों और उमंगों का त्योहार है।

**बीकानेर,** । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को सादुलगंज स्थित अपने आवास पर दिनभर आमजन से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी। गोदारा से बीकानेर शहर के अलावा लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने मुलाकात की। मंत्री गोदारा ने सभी को बधाई दी और कहा कि दीपावली खुशियों और उमंगों का त्योहार है। यह जीवन में रोशनी लाने वाला महापर्व है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर पहली बार पूरे शहर को सजाया गया। देर रात तक लोगों ने बड़ी संख्या में पब्लिक पार्क और आसपास के क्षेत्र में इस सजावट को देखा और पूरे उत्साह के साथ त्योहार मनाया।

खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने मंगलवार को विधायक सेवा केन्द्र पर बीकानेर शहर सहित खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान कोटा कृषि विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. विमला डूंकवाल भी मौजूद रही। विधायक ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी और कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जनहित के अनेक कार्य किए हैं। इनसे आमजन को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलजुल कर बीकानेर की परम्परा के अनुसार दीपों का त्यौहार मनाया और एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह स्नेह हमेशा बना रहे। इस दौरान अनेक विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों ने डॉ. डूंकवाल को कुलगुरु बनाए जाने की बधाई दी और बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया। विधायक ने सभी का मुंह मीठा करवाया और आमजन की समस्याएं सुनी।

कोलायत विधानसभा क्षेत्र विधायक अंशुमान सिंह भाटी से मंगलवार को अनेक लोगों ने मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी, पूर्व सरपंच राम किसन आचार्य भी मौजूद रहे। विधायक से मिलने वालों में बीकानेर शहर के अलावा कोलायत विधानसभा क्षेत्र के लोग शामिल रहे। इस दौरान विधायक भाटी ने भी सभी को दीपों के महोत्सव की बधाई दी और कहा कि दीपावली का त्यौहार सभी के जीवन में प्रकाश लाए।

बीकानेर (पश्चिम) विधायक जन सेवा केंद्र में मंगलवार को दिनभर रामा-श्यामा का दौर चला। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने विधायक श्री जेठानंद व्यास को दीपावली की शुभकामनाएं दी। विधायक ने सभी का मुंह मीठा करवाया और पांच दिवसीय दीपोत्सव की बधाई दी। इस दौरान व्यास ने कहा कि विधायक सेवा केंद्र के माध्यम से आमजन की समस्याओं की सुनवाई तथा इनके निस्तारण की दिशा में सतत कार्य किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने विधायक से मुलाकात की।

## मोक्ष कल्याणक दिवस पर घरों में किया मंत्र जाप

**बीकानेर** । गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा, मुनि मंथन प्रभ सागर, बाल मुनि मीत प्रभ सागर, साध्वी दीपमाला व शंखनिधि के सान्निध्य में भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक दिवस पर मंगलवार को रांगड़ी चौक के सुगनजी उपासरे में तथा अनेक श्रावक-श्रावकाओं ने अपने घरों में मंत्र जाप किया। गणिवर्य, मुनि व साध्वीवृंद के सान्निध्य में बुधवार को सुगनजी महाराज के उपासरे में सुबह छह बजे भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम के रास का वांचन, सप्त स्मरण व भक्तामर, शांति स्तोत्र का पाठ होगा। पाठ के बाद गणिवर्य म.सा. के सान्निध्य में श्रावक-श्राविकाएं डागों के महावीर मंदिर में भगवान महावीर के निर्वाण का लड्डू चढ़ाएंगे। मंगलवार को साध्वी शंखनिधि म.सा. के सांसारिक वीर सतीश भंसाली, वीर माता मंजूला, बहिन गरिमा, प्राची, भाई मानव का अभिनंदन वरिष्ठ श्रावक विजय चंद पारख, कृष्ण लूणिया व पंकज सिंघवी, वीर श्राविका पुष्पा कोचर व पुष्पा बोथरा ने किया। वीर प्रभु महावीर की अंतिम देशना व पुण्यपाल राजा के स्वप्नों का वर्णन किया। उन्हांने "जैन शब्द" की व्याख्या करते हुए कहा कि आत्म-परमात्म स्वरूप को पहचानने वाला तथा देव, गुरु व धर्म तथा परमात्मा के शासन की आज्ञाओं का पालन करने वाला जैनी कहलाता है। परमात्मा का शासन शेर जैसा है, उसमें प्रवेश करने पर कल्याण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कुछ लोग देव, गुरु व धर्म की आराधना को बोसिरा (त्याग) कर अपना आत्मिक अनर्थ कर रहे है। देव पूजा से हमारा संसार हरा भरा रहता है।

## काकड़ा स्कूल 1100 दीपों से सजा

**काकड़ा** । यहा गांव के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। स्कूल परिसर को 1100 दीपकों से सजाया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बिरजू पारीक ने बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों की संयुक्त पहल पर आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य पारंपरिक उत्सव की रौनक बनाए रखना और स्कूल में एकता तथा सांस्कृतिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। स्कूल के मैदान और कक्षाओं के बाहर रंगोली व माला-अलंकरण के साथ 1100 मिट्टी के दीये शाम को एक साथ जलाए गए। इस अवसर पर प्राथमिक से लेकर हाई-स्कूल तक के लगभग सभी छात्र-छात्राएं, शिक्षक और पेरेंट्स मौजूद रहे । ग्रामवासियों और विद्यार्थियों ने मिलकर दीप जलाकर सामूहिक भाईचारे और प्रकाश के महत्व को दर्शाया। बिरजू पारीक ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के दौरान साफ-सफाई और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। दीयों के पास अग्नि सुरक्षा के इंतजाम, पानी के ड्रम और आपातकालीन दल तैनात थे। शिक्षकों ने बच्चों को दीप जलाते समय सुरक्षात्मक निर्देश भी दिए ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने भी इस दीपमाला की सराहना की। कई अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ मिलकर दीप जलाए और त्योहार की खुशियां साझा कीं।

## लापता मानसिक कमजोर युवक परिजनों से मिला

**बीकानेर।** यहा के छत्तरगढ़ में पुलिस की सतर्कता से लापता मानसिक रूप से कमजोर युवक को उसके परिजनों से मिलाया गया। युवक मोहम्मद बिलाल, जो बाराबंकी, उत्तर प्रदेश का निवासी है, 12 अक्टूबर को अपने घर से लापता हो गया था।

मोहम्मद बिलाल छत्तरगढ़ क्षेत्र में पहुंच गया था, जहां पुलिस थाना छत्तरगढ़ के आसूचना अधिकारी कॉन्स्टेबल पारसराम ने उसे देखा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक की पहचान की और उसके परिवार से संपर्क स्थापित किया।

सूचना मिलने पर परिजन छत्तरगढ़ पहुंचे। उन्होंने अपने भाई मोहम्मद बिलाल को सकुशल पाकर पुलिस का आभार व्यक्त किया। परिवार छत्तरगढ़ पुलिस थाना के समस्त स्टाफ को धन्यवाद देते हुए मोहम्मद बिलाल को अपने साथ लेकर बाराबंकी के लिए रवाना हो गया।

## 'उर्वरक डीएपी के स्थान पर एसएसपी एवं एन पी के का प्रयोग करें'

**बीकानेर,** । संयुक्त निदेशक (कृषि) मदन लाल ने बताया कि एसएसपी एक फॉस्फोरस युक्त उर्वरक है, जिसमें कि 16 प्रतिशत फॉस्फोरस एवं 11 प्रतिशत सल्फर की मात्रा पाई जाती है। इसमें उपलब्ध सल्फर के कारण यह उर्वरक तिलहन एवं दलहन फसलों के लिए अन्य उर्वरकों की अपेक्षा अधिक लाभदायक होता है। एसएसपी उर्वरक का उत्पादन राज्य में होने के कारण आसानी से उपलब्ध है। एक बैग डीएपी की कीमत में तीन बैग एसएसपी खरीदे जा सकते हैं। तीन बैग एसएसपी से मिलने वाले पोषक तत्वों का मूल्य लगभग उन्नीस सौ रुपए होता है, जो एक बैग डीएपी में मिलने वाले पोषक तत्वों के मूल्य 1 हजार 350 से अधिक है। एसएसपी के साथ यूरिया का उपयोग कर फसल बुवाई के समय आवश्यक नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं सल्फर पोषक तत्वों की पूर्ति कम लागत में ही आसानी से की जा सकती है। सहायक निदेशक (कृषि) उद्यानिकी मुकेश गहलोत ने बताया कि एनपी के ग्रेड्स उर्वरकों के उपयोग द्वारा संतुलित पोषण फसलों को मिलता है। नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश मुख्य पोषक तत्व फसलों को मिलते है। फसलों में संतुलित पोषण के लिए डीएपी के बजाय एन पी के (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश) ग्रेड्स उर्वरक अधिक उपयुक्त है। मृदा की उर्वरा क्षमता बनाये रखने एवं फसल का समुचित उत्पादन लेने हेतु मृदा परीक्षण के आधार पर की गयी अनुशंषा एवं फसल अवस्था अनुसार उपयुक्त ग्रेड के एन पी के उर्वरक का उपयोग किया जावे।

## दिन भर चला राम-राम का दौर

**बीकानेर** । दीपावली के दूसरे दिन मंगलवार को दिनभर राम-राम का दौर चला। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने सांसद सेवा केन्द्र में मुलाकात की और दीपावली की शुभकामनाएं दी। केन्द्रीय मंत्री ने भी सभी को दीपोत्सव की बधाई दी और उनका मुंह मीठा करवाया। इस दौरान मेघवाल ने कहा कि दीपावली पर पूजन के दूसरे दिन राम-राम करने की परम्परा अपने आप में अनूठी और महत्वपूर्ण है। परिवार के सभी लोगों एक-दूसरे का अभिवादन करते हैं। छोटे, बड़ों का आशीर्वाद लेते तथा बड़े, सभी छोटों का आशीर्वाद देते हैं। इससे संस्कारों में और अधिक प्रगाढ़ता आती है। उन्होंने कहा कि इस बार दिवाली बेहद खास रही। शहर में बेहतरीन साज-सज्जा की गई। बाजारों में अधिक रौनक रही। शहरवासियों ने प्रधानमंत्री के 'वोकल फोर लोकल' के आ ान को स्वीकारा और स्वदेशी उत्पादों की खरीद भी अधिक हुई।

## मंत्री मेघवाल ने जवानों के साथ मनाई दिवाली

- दीप जलाए, मुंह करवाया मीठा, 'वोकल फॉर लोकल' का दिया संदेश
- दीपावली हमारे जीवन में प्रकाश के महत्त्व को समझाने वाला त्यौहार है

**बीकानेर,** । केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को बीएसएफ जवानों के साथ दिवाली का त्यौहार मनाया। उन्होंने जवानों और उनके परिजनों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। मेघवाल ने दीप प्रज्वलित किए। मिठाई खिलाकर जवानों का मुंह मीठा करवाया और फुलझड़ियां जलाकर खुशियां मनाई।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों के देश सेवा के जज्बे की बदौलत देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे जवानों ने अपने शौर्य से दुनिया में भारत का मान बढ़ाया। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले जवान आपसी भाईचारा, प्रेम और अखंडता का संदेश देते हैं। इनके साथ त्यौहार मनाना गर्व की अनुभूति है। उन्होंने 'वोकल फिर लोकल' का संदेश देते हुए स्थानीय आर्टिजन, मिट्टी के दीपक बनाने वालों को प्रोत्साहित करने का आ ान किया।केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि दीपावली हमारे जीवन में प्रकाश के महत्त्व को समझाने वाला त्यौहार है। उन्होंने कहा कि इस दिन जीवन में प्रकाश को प्रवेश की अनुमति दें। प्रकाश के प्रवेश से अंधेरा दूर होता है।इस दौरान बीएसएफ के अधिकारी, जवान और गुमान सिंह राजपुरोहित, तेजाराम मेघवाल, रवि अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

## सार-समाचार

### नायब तहसीलदार ने किया औचक निरीक्षण

**बज्जू,** । प्रशासन ने समर्थन मूल्य खरीद पंजीकरण में गड़बडियों और किसानों द्वारा अधिक शुल्क वसूलने की शिकायतों पर कार्रवाई की है। बुधवार दोपहर को नायब तहसीलदार नितिन पुरोहित ने बज्जू स्थित ईमित्र केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। क्षेत्र में खरीफ फसल, मुख्य रूप से मूंगफली की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद होनी है। इसके लिए किसानों को राजफैड पोर्टल पर ईमित्र के माध्यम से पंजीकरण करवाना होता है। 18 अक्टूबर से शुरू हुई पंजीकरण प्रक्रिया सर्वर पर दबाव के कारण धीमी चल रही है। इस धीमी गति के कारण किसानों में पंजीकरण की होड़ लग गई, जिससे ईमित्र केंद्र संचालकों द्वारा मनमानी और अधिक राशि वसूलने की शिकायतें आम हो गईं। किसानों की शिकायतों के बाद नायब तहसीलदार नितिन पुरोहित ने ईमित्र केंद्रों पर रेट लिस्ट, पारदर्शी प्रक्रिया, फर्जी गिरदावरी और बंद ईमित्रों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि फर्जी गिरदावरी, अधिक राशि वसूलने और ईमित्र बंद कर अन्यत्र काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुरोहित ने यह भी कहा कि उनकी टीम नियमित रूप से निरीक्षण करेगी ताकि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार किसानों को लाभ मिल सके। भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष गंगाबिशन गोदारा ने सुझाव दिया कि तहसील प्रशासन प्रत्येक ईमित्र केंद्र पर एक प्रमाणित रजिस्टर रखे, जिसमें प्रतिदिन आने वाले किसानों का नंबर दर्ज कर क्रमशः उनका ऑनलाइन पंजीकरण किया जाए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और मनमानी रुकेगी। वहीं, ईमित्र संचालक जोशीराम ने बताया कि राजफैड द्वारा पूरे राजस्थान में एक साथ टोकन पंजीकरण शुरू करने से सर्वर पर भारी ट्रैफिक है, जिससे ऑनलाइन पंजीकरण बहुत धीमे हो रहे हैं और केंद्रों पर किसानों की भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने मांग हैं कि पिछले साल की तरह संभागवार पंजीकरण शुरू किया जाए, जिससे सर्वर पर लोड कम हो और प्रक्रिया सुगम हो।

### टैक्सी पटरियों के बीच जा फंसी

**बीकानेर।** शहर की यातायात व्यवस्था के लिए सिरदर्द बन चुका कोटगेट फाटक मंगलवार देर रात फिर सुर्खियों में आ गया। देर रात यहां ऐसा नज़ारा देखने को मिला जिसने आसपास मौजूद लोगों की सांसें रोक दीं। दरअसल, रेलवे फाटक बंद होने से कुछ सेकंड पहले एक टैक्सी चालक ने जल्दबाजी में फाटक पार करने की कोशिश की, लेकिन टैक्सी सीधे पटरियों के बीच जा फंसी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से टैक्सी में बैठी सवारियां घबराकर चीखने लगीं। उसी दौरान गेट संचालक ने गेट बंद कर टेक्सी चालक को फटकार लगाई। बात यहीं नहीं थमी चालक भड़क उठा और दोनों के बीच पटरियों के बीचोंबीच तीखी बहस शुरू हो गई। चंद मिनटों में ही फाटक के पास लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल गर्मा गया। इस बीच ट्रेन आने की आशंका से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने समझदारी दिखाते हुए टैक्सी को धक्का देकर पटरियों से बाहर निकाला। इसके बाद ही सभी ने राहत की सांस ली।लोगों का कहना है कि कोटगेट फाटक पर ऐसे हालात रोजमर्रा की बात बन चुके हैं। न तो जाम से राहत मिल रही है, न ही अव्यवस्था से।

### टीन शेड आदि कार्यों की अभिशंसा

**बीकानेर** । बीकानेर (पश्चिम) विधानसभा क्षेत्र जेठानंद व्यास ने वार्ड 23 के भार्गव मोहल्ले में कोरल गिरधर नगर के सामने स्थित सार्वजनिक श्मशान भूमि में विश्राम स्थल और टीन शेड व अन्य विकास कार्यों के लिए 15 लाख रुपए की स्वीकृति की अभिशंसा की है। यह राशि विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के तहत स्वीकृत की जाएगी। इस स्वीकृति पर वार्ड 23 की पूर्व पार्षद श्रीमती शांति देवी ने प्रसन्नता जताई है।

### संगीतमय दीपावली मिलन आज

**बीकानेर।** अमन कला केंद्र द्वारा आगामी 23 अक्टूबर को दोपहर 3:00 से 6:00 तक अपना घर वृद्ध आश्रम वृंदावन एंक्लेव कॉलोनी में वृद्ध भाइयों को खुशियां प्रदान करने के लिए एक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा संस्था के अध्यक्ष एम रफीक कादरी व अपना घर के ज्ञान ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एन डी रंगा अध्यक्ष सखा संगम होंगे कार्यक्रम में बीकानेर के जाने-माने गायक कलाकार अपने गीतों की प्रस्तुतियां देंगे।

## बीकानेर के खिलाडियों ने किया शानदार प्रदर्शन

**बीकानेर,** 32 वीं सब-जूनियर, 8वीं कैडेट एवं 32 वीं जूनियर राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में बीकानेर के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल्ड मेडल के साथ 25 मेडल पर अपना कब्जा जमाया। कोटा के रघुराई इंडोर कॉम्प्लेक्स नयापुरा में आयोजित राजस्थान स्टेट सब-जूनियर, कैडेट और जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 राजस्थान ताइक्वांडो एसोसिएशन के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य में एवं राजस्थान ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष उत्तम सैनी, महासचिव लक्ष्मण सिंह हाडा के सानिध्य में मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्जवलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सभी जिलों के लगभग 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। बीकानेर जिला ताइक्वांडो संघ सचिव राजेंद्र बुरानिया ने बताया कि खिलाडि़यों ने अनुशासन और जोश के साथ खेलते हुए बीकानेर का नाम पूरे राज्य में रोशन किया। स्वर्ण पदक विजता काम्या तंवर , खुश स्वामी, मोहित शर्मा, हर्षवर्धन, कोमल राठौड़, ऋषभ कुमार

रजत पदक विजेता वंशिका चौधरी, सृष्टि बुरानिया, नवीन भाकर, अभय सिंह , वेद सिंह, चंद्रकांत , कांस्य पदक विजेता सोमिया राठौड़, मानवी राठौड़, अर्जुन सिंह, भूपेन्द्र शर्मा, अरनव, मुदित, राकेश, हर्षवर्धन, हिमांशु , दिव्यांशी, कार्तिक, श्यम, जतिन ने मेडल जीते।

## डॉ. सुरेंद्र वर्मा का स्वागत

**बीकानेर** । सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के नव नियुक्त प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा के स्वागत का सिलसिला लगातार जारी है। उनके प्राचार्य बनने के उपलक्ष्य में विभिन्न सामाजिक संगठन और समाजसेवी उनके सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित कर रहे हैं। इसी कड़ी में समाजसेवी शिवदान सिंह और खत्री मोदी समाज के प्रमुख सदस्यों ने डॉ. वर्मा का हार्दिक स्वागत किया।

स्वागत समारोह में खत्री मोदी समाज से जी.एस. खत्री, ईश्वर दयाल मोदी, डॉ. देवेंद्र खत्री, डॉ. मोहित, डॉ. एल.के. कपिल, अशोक खेमानी, दिनेश मोदी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर समाजसेवी शिवदान सिंह ने कहा कि डॉ. सुरेंद्र वर्मा एक कुशल चिकित्सक होने के साथ-साथ एक सक्षम प्रशासक भी हैं।

## जिला स्तरीय शिविर 24 को

- आवश्यकता के अनुसार लाभार्थी/दावेदार के केवाईसी अपडेट, दावा प्रपत्र भरने और दस्तावेज सत्यापन में भी सहयोग प्रदान किया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबंधक ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में शामिल होकर भारत सरकार की कल्याणकारी पहल का लाभ उठाने का आह्वान किया

**बीकानेर** । राज्य में वित्तीय सेवाएं विभाग, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत 'आपकी पूँजी, आपका अधिकार' जन-जागरूकता अभियान के तहत जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष पर जिला स्तरीय जागरूकता एवं सहायता शिविर 24 अक्टूबर को रवींद्र रंगमंच पर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन जिला कलेक्टर के नेतृत्व और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के मार्गदर्शन में प्रत्येक जिले के अग्रणी जिला कार्यालय द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी बैंक, बीमा, पेंशन, प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अवैतनिक निधि की सहभागिता होगी।ऽ राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक एम. अनिल राजस्थान ने बताया कि इस श्रृंखला के द्वितीय चरण में 24 अक्टूबर को बीकानेर में जिला कलेक्टर और अग्रणी जिला प्रबंधक की देखरेख में प्रातः 10 से सायं 6 बजे तक रवींद्र रंगमंच में विशेष शिविर आयोजित किया जायेगा। इस शिविर में नागरिकों को अनक्लेम्ड जमा, अनक्लेम्ड बीमा दावे, अनक्लेम्ड डिविडेंड, अनक्लेम्ड शेयर एवं म्यूचुअल फंड प्राप्त करने के लिए सहायता काउंटर उपलब्ध कराए जाएंगे।

आवश्यकता के अनुसार लाभार्थी/दावेदार के केवाईसी अपडेट, दावा प्रपत्र भरने और दस्तावेज सत्यापन में भी सहयोग प्रदान किया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबंधक ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में शामिल होकर भारत सरकार की कल्याणकारी पहल का लाभ उठाने का आ ान किया है।

अभियान के तहत विभिन्न जिलों में 31 दिसंबर 2025 तक इन शिविरों का आयोजन चरणबद्ध रूप से किया जाएगा।राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के इस प्रयास से नागरिकों को उनकी जमा पूँजी और निवेश के अधिकारों के प्रति जागरूक करने और सुविधाजनक तरीके से लाभ दिलाने के प्रयास होंगे।

## रोडवेज बस में बुजुर्ग महिला का सोने का लॉकेट चोरी

**श्रीगंगानगर** । यहा 70 साल की बुजुर्ग महिला का चलती बस में सोने का लॉकेट चोरी हो गया। रोडवेज बस में यात्रा कर रही महिला को चोरों ने निशाना बनाया और भीड़ का फायदा उठाकर गले से लॉकेट चोरी कर लिया। महिला दवाई लेने हॉस्पिटल जा रही थी, इस दौरान वारदात हुई। घटना रायसिंहनगर क्षेत्र की है।घटना बुधवार दोपहर की है, जब बुजुर्ग महिला घड़साना से रायसिंहनगर के सरकारी हॉस्पिटल दवाई लेने आई थीं। रोडवेज बस में यात्रा के दौरान ही किसी ने उनके गले से सोने का कीमती लॉकेट उड़ा लिया। महिला ने तुरंत बस ड्राइवर को सूचना दी। इसके बाद बस स्टैंड पर रायसिंहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस की चेकिंग की और यात्रियों से पूछताछ की, लेकिन चोरों का कोई पता नहीं चला। बस में मौजूद यात्रियों ने बताया कि ऐसी चोरियां अब आम हो गई हैं। हर रोज बसों में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

# पुलिस शहीदों को शस्त्र और शीश झुका कर किया नमन

- पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारियों व सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि
- शहीदों की स्मृति में पुलिस अधीक्षक सहित सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों ने किया वृक्षारोपण व रक्तदान

**बूंदी।** राष्ट्र के लिए कर्तव्य पर शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए पुलिस परेड ग्राउंड में पुलिस शहीद दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधिकारियों व जवानों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने इस वर्ष शहीद हुए पुलिसकर्मियों के बारे में जानकारी दी । शहीदों को हथियार व शीश झुका कर शोक सलामी दी गई । उनके सम्मान में दो राउंड फायरिंग भी की गई। इस अवसर पर पुलिस बल द्वारा 8 यूनिट स्वेच्छिक रक्तदान किया।

शहीद दिवस पर बहादुर दिलों को ऐसे किया याद

पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित शहीद दिवस समारोह में जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी श्री राजेन्द्र कुमार मीणा ने देश के सभी प्रान्तों, केन्द्र शासित प्रदेशों व अर्द्ध सैन्य बलों के विभिन्न संवर्ग के गत वर्ष शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदनाम व उनके नाम का वाचन कर उन्हें याद कर सम्मान दिया गया। अपने कर्तव्य के प्रदर्शन में पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए बलिदान की गवाही के रूप में पुलिस परेड ग्राउंड में राईफल और टोप से बने स्मारक पर जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी ने पुष्प चक्र अर्पित कर वर्ष में शहीद हुए पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। संचित निरीक्षक बहादुर सिंह उ.नि. के नेतृत्व में पुलिस की सम्मान गार्ड द्वारा शस्त्रों को उलट शोक शस्त्र कर दिवंगत आत्माओं के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। पुलिस बैंड कर्मियों ने लास्ट पोस्ट धुन बजाई। शहीदों के सम्मान में परेड में शामिल पुलिस कर्मियों द्वारा राईफल से दो-दो राउंड फायरिंग की गई। कार्यक्रम में मौजूद सभी अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी शहीद हुए पुलिस कर्मियों को सलामी दी गई। आज से 66 वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर के ही दिन 1959 में लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में भारतीय पुलिस के जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये थे। इन वीरों के बलिदान को याद करने व प्रेरणा ठाहण करने के उद्देश्य से देश के हर पुलिस संगठन व संस्थान में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। समारोह में जिला पुलिस अधीक्षक सहित सभी पुलिस अधिकारियों ने मौके पर शहीदों की स्मृति में पौधारोपण किया। शहिद दिवस के अवसर पर जिले में पुलिस बल द्वारा 8 यूनिट स्वेच्छिक रक्तदान भी किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा के अलावा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला बून्दी श्रीमती उमा शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसंधान सैल श्री जसवीर मीणा, वृताधिकारी बून्दी व मख्यालय पर स्थित कार्यालयो मे पदस्थापित पुलिस कार्मिक एवं पुलिस थानो के थानाधिकारी सहित पुलिस अधिकारी व पुलिस जवान एवं सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

## नई व्यवस्था से किसानों को मिली राहत

**रायसिंहनगर,** करीब 20 दिनों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रायसिंहनगर कृषि उपज मंडी में मूंग की बोली शुरू हो गई है। नई व्यवस्था के तहत बोली लगने से किसानों को बड़ी राहत मिली है, जो बंपर पैदावार के बावजूद बोली न लगने से परेशान थे। इस बार मूंग की बंपर पैदावार हुई थी, लेकिन पिछले 20 दिनों से मंडी में बोली नहीं लग पा रही थी। इससे किसान काफी चिंतित थे और उन्हें अपनी फसल बेचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कृषि उपज मंडी समिति सचिव विमल कुमार की पहल पर एक नई कायर्योजना लागू की गई। इसके तहत पूरी अनाज मंडी को चार श्रेणियों – ए, बी, सी और डी – में बांटा गया। प्रत्येक श्रेणी में न्यूनतम दो और अधिकतम दस ढेरियों की बोली का प्रावधान तय किया गया। इस सुव्यवस्थित प्रणाली के कारण लगभग 60 प्रतिशत से अधिक दुकानों पर मूंग की बोली सफलतापूर्वक संपन्न हुई।


**राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)**
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4425 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : ../../2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 14 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15'0'' गुणा 60'-0'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्री गिरधारीलाल पुत्र श्री रिछपाल जैन निवासी 137 ए ब्लॉक पदमपुर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री गिरधारीलाल पुत्र श्री रिछपाल जैन निवासी 137 ए ब्लॉक पदमपुर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 14 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15'0'' गुणा 60'-0'' फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन /पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

**राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)**
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4426 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : ../../2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 14 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15'0'' गुणा 60'-0'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्री ज्योति कुमार अग्रवाल पुत्र श्री हरिमोहन अग्रवाल निवासी 16 जे ब्लॉक श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री ज्योति कुमार अग्रवाल पुत्र श्री हरिमोहन अग्रवाल निवासी 16 जे ब्लॉक श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 14 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15'0'' गुणा 60'-0'' फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन /पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

**राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)**
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4433 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 21.10.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 64 के किला नं. 5 में भूखण्ड संख्या का माप 15 गुणा 50'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार निवासी 59 हरदीप सिंह कॉलोनी वार्ड नं. 20 श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार निवासी निवासी 59 हरदीप सिंह कॉलोनी वार्ड नं. 20 श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 64 के किला नं. 5 में भूखण्ड संख्या का माप 15 गुणा 50'' फीट का नियमन / पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

**राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)**
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 14.10.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 62 के किला नं. 23,24 में भूखण्ड का माप 15' गुणा 45'-0'' फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्रीमती अनीता कश्यप पत्नी श्री राजीव कश्यप निवासी 5/6 अशोक नगर - बी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती अनीता कश्यप पत्नी श्री राजीव कश्यप निवासी 5/6 अशोक नगर - बी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 62 के किला नं. 23,24 में भूखण्ड का माप 15' गुणा 45'-0'' फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन /पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
Rajkaj Ref. No. 18207814 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

**राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)**
क्रमांक : नियमन/2025/ 4434 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 21-10-25
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 14 के किला नं. 01 में भूखण्ड संख्या का माप 27'' गुणा 52'-6'' फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्री विजय कुमार पुत्र श्री रोशनलाल बायोलॉजिकल पिता कपूर चंद निवासी वार्ड संख्या 14 गीता भवन वाली गली पदमपुर, जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री विजय कुमार पुत्र श्री रोशनलाल बायोलॉजिकल पिता कपूर चंद निवासी वार्ड संख्या 14 गीता भवन वाली गली पदमपुर, जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 14 के किला नं. 01 में भूखण्ड संख्या का माप 27'' गुणा 52'-6'' फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। RajKaj Ref No.: 18195982 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

**राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)**
क्रमांक : नियमन/2025/ 4435 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 21-10-25
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 8 के किला नं. 11 में भूखण्ड संख्या का माप 33 गुणा 65'' फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्री आशीष पुत्र श्री राजेन्द्र पूनिया निवासी चक 5 ई छोटी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री आशीष पुत्र श्री राजेन्द्र पूनिया निवासी चक 5 ई छोटी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 8 के किला नं. 11 में भूखण्ड संख्या का माप 33 गुणा 65'' फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

**राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)**
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4431 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 21.10.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रजनी स्वामी पत्नी श्री सुरिन्द्र कुमार निवासी म.न. ई-57 ए, गली नं. 9, नजदीक बेकरी, शिव नगर, एसएसबी रोड, चक 3 ई छोटी, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकॉर्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

| न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण | | आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण |
|---|---|---|
| भूखण्ड का विवरण | मूल भूखण्डधारी | दस्तावेज का विवरण |
| चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 3/4 किला नं. 06 में माप 15 इंटु 67.6 फीट भू.सं. बी-24 उत्तरी हिस्सा, रामलाल कॉलोनी, श्रीगंगानगर | उक्त भूखंड का नियमन पट्टा सं. 17008 दिनांक 18.10.2022 को श्री विजय सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह के नाम से जारी किया हुआ है। | श्रीमती रजनी स्वामी द्वारा उक्त भूखंड को पंजीकृत बैयनामा दिनांक 26.09.2025 के द्वारा क्रय कर उक्त भूखंड का ऑनलाईन नामान्तरण हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है। |

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्रीमती रजनी स्वामी पत्नी श्री सुरिन्द्र कुमार निवासी म.न. ई-57 ए, गली नं. 9, नजदीक बेकरी, शिव नगर, एसएसबी रोड, चक 3 ई छोटी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/849 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

# बूंदी में पटाखे फेंकने के विवाद में 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या

## दोस्तों के साथ दीपावली मनाने घर से बाहर गया था, जहां पटाखा फेंकने पर झगड़ा हो गया था

**बूंदी,** (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में सोमवार रात्रि को शहर के एक परिवार की दीपावली की खुशियां उसे समय मातम में बदल गई, जब सिलोर रोड पर पटाखा फेंकने को लेकर हुए विवाद में एक 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

सदर थाना अधिकारी रमेश आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के रावला का चौक नाहर का चोहट्टा निवासी विष्णु सैनी पुत्र हेमराज अपने दोस्तों के साथ दीपावली मनाने घर से बाहर गया हुआ था, जहां पटाखा फेंकने को लेकर हुए झगड़े में कुछ युवकों ने उसको चाकू मार दिया जिसकी इलाज के दौरान उसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई।

सदर थानाधिकारी ने बताया कि रात्रि को थाना क्षेत्र में चाकूबाजी में युवक की हत्या की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां सुबह नौ बजे परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं परिजनों द्वारा पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि विष्णु गोपाल सिंह प्लाजा पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरने का कार्य करता था रात्रि 9:30 बजे उसके दोस्त सुरजीत व आदित्य व एक अन्य दोस्त घर पर आए और उसे अपने साथ लेकर चले गए। रात्रि को विष्णु के फोन से लखन का फोन आया कि विष्णु को चाकू मार दिया है। अस्पताल में आ जाओ जहां विष्णु मृत अवस्था में मिला। परिजनों ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने व परिवार के इकलौते सहारे की मौत होने पर एक करोड़ के मुआवजे की मांग की है। वहीं समाज के लोगों ने मुआवजा नहीं देने व आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने तक शव लेने से मना कर दिया।

सूचना पर तहसीलदार अर्जुन लाल मीणा थाना अधिकारी कोतवाली भंवर सिंह मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश करने का प्रयास शुरू किया। इसके बाद नियम अनुसार अधिक से अधिक आर्थिक सहायता दिलाने एवं आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के ठोस आश्वासन के बाद परिजन माने व शव को अपने साथ ले गए।

वहीं सदर थाना पुलिस के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ युवकों को डिटेन किया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बूंदी शदर के प्रबुद्धजनों ने लगातार बढ़ रही चाकूबाजी की घटनाओं एवं युवा पीढ़ी द्वारा चाकू रखने के क्रेज पर चिंता जताते हुए शहर में मोटरसाइकिलों पर समूह के रूप में घूमने वाले युवाओं की गहनता से तलासी लेने व कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मामले की गंभीरता को समझते हुए जिला पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर गठित पुलिस टीम व डीएसटी टीम ने अथक प्रयास करते हुए मामले में त्वरित कार्रवाई कर 24 घंटे में ही घटना का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया एवं दो विधि के विरूद्ध संघर्षरत किशोर को निरूद्ध किया है।

पुलिस ने घटना का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया।

- एक करोड़ की सहायता राशि एवं आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े परिजन, समझाइश पर मामला शांत हुआ

# 30 लाख के जेवर चुराने वाले दो जने गिरफ्तार

**बीकानेर,** (निसं)। अरजनसर क्षेत्र में हुई चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। एक सप्ताह में पुलिस ने न सिर्फ चोरी करने वालों को बल्कि चोरी हुए जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। 30 लाख रुपए से ज्यादा की इस चोरी के मामले में महाजन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिस घर से चोर ने तीस लाख रुपए के गहने चोरी किए थे, उसका पहले से वहां आना-जाना था। इतना ही नहीं वो खुद कुछ दिन पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था।

स्वरूप कंवर पत्नी जालम सिंह राजपूत निवासी आरसीपी कॉलोनी अरजनसर ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि पंद्रह अक्टूबर को दिन में करीब बारह से एक बजे के बीच अज्ञात चोरों ने घर में रखे संदूक का ताला तोड़कर 1 लाख 17 हजार रुपए नगद व पुत्रवधु मंजू कंवर व मेरे सोने-चांदी के करीब 30 लाख रुपए कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए। महाजन पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों मालम सिंह व काला सिंह उर्फ संदीप को गिरफ्तार कर पूछताछ की। इसके बाद दोनों ने चोरी स्वीकार कर लिया।

- घर में आने-जाने के दौरान रेकी की थी, अन्य वारदातों का भी खुलासा हुआ

आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह पुत्र निहाल सिंह निवासी चक 61 जी बी पुलिस थाना रामसिंहपुर तहसील अनूपगढ़ जिला श्री गंगानगर के द्वारा पुलिस थाना रामसिंहपुर में मोबाइल चोरी की। आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह ने पुलिस थाना अनूपगढ़ के गांव पतरोड़ा तथा अनूपगढ मंडी में रेडीमेड व मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह की ओर से पुलिस थाना छत्तरगढ़ के गांव खरबारा से मोटरसाइकिल चोरी करना बताया आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह ने पुलिस थाना जय नारायण व्यास कॉलोनी से टेम्पो चोरी स्वीकार की। आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह के द्वारा अलग-अलग थानों मे करीब 9 प्रकरण दर्ज है तथा वर्तमान में आरोपी पुलिस थाना छत्तरगढ़ थाने का भगोड़ा है। आरोपी मालमसिंह अरजनसर गांव का ही रहने वाला है जो पीड़िता के परिवार से पूर्व से ही परिचित था, जो करीब ढाई साल जेल में रहकर कुछ महीने पहले ही जमानत पर बाहर आया है। दोनों आरोपी पूर्व से ही जानकार हैं। बीकानेर शहर में किराए का मकान लेकर रहते हैं। योजना बनाकर वारदात का अंजाम देते हैं।

# 20 साल के युवक को सोते-सोते साइलेंट अटैक आया, मौत

**बीकानेर,** (निसं)। 20 साल के युवक को सोते-सोते अटैक आ गया। पिता ने उसे चाय पीने के लिए आवाज दी तो वो उठा ही नहीं। परिजन उसे अस्पताल लेकर गये, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला बीकानेर के कोटगेट थाना इलाके की वाल्मिकी बस्ती की छोटी गुवाड़ का है। परिजनों ने देर रात मर्ग दर्ज करवाई है। कोटगेट पुलिस ने मर्ग दर्ज करके मामले की जांच शुरू की है। जांच हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण को सौंपी गई है।

हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण ने बताया कि वाल्मीकि बस्ती में रहने वाले अभिषेक तेजी (20) पुत्र श्रवण तेजी की मौत हो गई है। प्रथम दृष्टया मामला साइलेंट अटैक का माना जा रहा है। हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण ने बताया कि पिता श्रवण ने रिपोर्ट में कहा कि बेटा अभिषेक हमेशा की तरह शाम को घर लौटा और अपने कमरे में जाकर सो गया था। इसके बाद उन्होंने चाय बनाई और अभिषेक को आवाज दी। कोई जवाब नहीं आने पर वो बेटे के कमरे में गए और उसे जगाने का प्रयास किया। रिपोर्ट में बताया कि कोई हलचल नहीं होने पर श्रवण घबरा गए और मदद के लिए पड़ोसियों को बुलाया। इसके बाद पीबीएम अस्पताल लेकर गए। प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आशंका जताई है कि सोते हुए ही उसे साइलेंट अटैक आया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

- पिता ने चाय के लिए आवाज दी तो उठा ही नहीं, बाहर से लौट कर सोया था

# भोपालगढ़ डीएसपी भूराराम खिलेरी एपीओ

**जोधपुर,** (कासं)। जिले के भोपालगढ़ में भाजपा के मंडल महामंत्री हेमंत शर्मा के साथ पुलिस द्वारा मारपीट कर डिटेन करने के मामले में राज्य सरकार ने भोपालगढ़ वृत्ताधिकारी भूराराम खिलेरी को एपीओ कर दिया है। इस दौरान उनका मुख्यालय जयपुर में रखा गया है। इस मामले में दो पुलिसकर्मियों को पहले ही लाइन हाजिर किया जा चुका है। इसके साथ ही सरकार ने अधिकारियों को सख्त संदेश दिया है कि यदि पार्टी के पदाधिकारी या कार्यकर्ता को बिना कारण परेशान किया गया तो सरकार बख्शेगी नहीं।

भाजपा जोधपुर देहात जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने बताया कि कुछ दिनों पहले भोपालगढ़ मंडल के महामंत्री हेमंत शर्मा द्वारा फेसबुक पर पुलिस को लेकर कुछ टिप्पणियां की थी। इस पर पुलिस ने शुक्रवार रात को उन्हें घर से उठाया और थाने में मारपीट की। इसको लेकर एतराज जताया गया था। पहले एएसआई गोविंदराम और हैड कांस्टेबल दिलीप को हटाया गया था। पूरे प्रकरण की शिकायत मुख्यमंत्री तक की गई और डिप्टी एसपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इसके बाद पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने उन्हें एपीओ कर दिया। मंगलवार शाम को जैसे ही डीजीपी कार्यालय से डीएसपी खिलेरी को एपीओ करने का आदेश जारी हुआ भाजपा युवा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। भाजपा नेताओं ने पटाखे फोड़े, नारेबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह फैसला उनकी शिकायतों और लंबे समय से चल रहे संघर्ष का नतीजा है।

इस घटना को लेकर जिलाध्यक्ष भाटी शनिवार को अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ भोपालगढ़ थाने गए थे। उन्होंने वहां गहरी नाराजगी जताई और पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वह यह बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। भाटी की नाराजगी को देखते हुए एसपी नारायण टोगस ने एडिशनल एसपी भोपाल सिंह को थाने में भेजा था। वहां भाटी ने उन्हें खरी-खोटी सुनाई। इसके बाद दो पुलिस कर्मियों को थाने से हटाया गया। भाजपा नेताओं ने डिप्टी एसपी पर आरोप लगाया था कि वह उनके कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं।

- भाजपा मंडल महामंत्री के साथ मारपीट करने का मामला
- मामले में दो पुलिसकर्मी पहले ही लाइन हाजिर हो चुके हैं

# एम्स में नाम की गफलत में दूसरे को चढ़ाया खून, दस दिन बाद मौत

**जोधपुर,** (का.सं.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में गलत मरीज को खून चढ़ाने से उसकी मौत हो गई। इमरजेंसी में भर्ती एक मरीज को 10 अक्टूबर को खून चढ़ाया गया था। गलत खून चढ़ने वाले मरीज की हालत लगातार खराब होती जा रही थी। ऐसे में शनिवार और रविवार को मरीज को तीन यूनिट खून चढ़ाया गया, लेकिन मरीज को नहीं बचाया जा सका। मरीज की मौत की सूचना मिलने पर बासनी थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

जानकारी के अनुसार एम्स की इमरजेंसी में दस अक्टूबर को मांगीलाल नाम के दो व्यक्ति भर्ती थे। एक व्यक्ति डोली कलां निवासी मांगीलाल विश्नोई (50) और दूसरा नागौर के पांचुड़ी कला निवासी मांगीलाल (80) भी भर्ती था। डॉक्टरों ने 80 साल के मांगीलाल को खून की जरुरत बताई थी लेकिन अस्पतालकर्मियों ने 50 साल के मांगीलाल को खून चढ़ा दिया। गलती का पता चलने पर डॉक्टर ने खून के बैग को हटाकर डस्टबीन में फेंक दिया था, लेकिन तब तक आधे से अधिक खून चढ़ चुका था। डॉक्टरों के मुताबिक ऑपरेशन करके मरीज के शरीर से पानी निकाला गया। डायलेसिस भी किया गया। बीपी अत्यधिक कम होने से मरीज को बेड पर उलटा लेटाया गया। डॉक्टरों ने मरीज को बचाने का हर संभव प्रयास किया। लेकिन तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ। आखिरकार 10 दिन बाद सोमवार को उपचार के दौरान मरीज मौत हो गई। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में एक ही नाम के दो मरीज भर्ती थे

# रक्षा मंत्री राजनाथसिंह आज जैसलमेर आएंगे

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। रक्षा मंत्री राजनाथसिंह गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर जैसलमेर पहुंचेंगे। सिंह जैसलमेर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर रहेंगे। रक्षा मंत्री जैसलमेर में होने वाली तीन दिवसीय आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए सिंह आ रहे हैं। इस कॉन्फ्रेंस में वे सेना के अधिकारियों के साथ देश की सुरक्षा व्यवस्था और सैन्य तैयारियों को लेकर चर्चा करेंगे। इस दौरान वे लोंगेवाला में जवानों से भी बातचीत करेंगे। तीन दिन चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में देश की सीमाओं की मौजूदा स्थिति, तकनीकी बदलावों और आने वाले वर्षों में सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के मुद्दों पर विचार किया जाएगा। इस बार की कॉन्फ्रेंस को सेना ने सुधारों का वर्ष का हिस्सा बताया है। इस दौरान सेना नेतृत्व नए ढांचे, तकनीकी सुधारों, और आधुनिक युद्ध की तैयारियों पर चर्चा करेगा। लक्ष्य यह है कि सेना को अधिक टेक्नोलॉजी ड्रिवन और फ्यूचर रेडी फोर्स बनाया जाए। अपने दौरे के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथसिंह जैसलमेर के आर्मी वॉर म्यूजियम पहुंचेंगे। यहां वे "शौर्य पार्क" और "कैक्टस पार्क" का उद्घाटन करेंगे। दौरे के दूसरे दिन रक्षा मंत्री सीमा क्षेत्र लोंगेवाला जाएंगे। राजनाथ सिंह यहाँ शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे और तैनात जवानों से संवाद करेंगे।

# दो बाइकों की टक्कर में 3 जनों की दर्दनाक मौत

## उदयपुर में माता-पिता के साथ लौट रहे बेटे की भी मौत हुई

**डूंगरपुर,** (निसं)। डूंगरपुर में उदयपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम को दो बाइक के बीच जोरदार टक्कर में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पति पत्नी घायल हो गए। बेटा अपने माता और पिता के साथ ही बाइक पर सवार था। डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कर उसका इलाज चल रहा है। वहीं दिवाली के दिन तीन की मौत से परिवारों में मातम पसरा है।

कल्याणपुर थाना पुलिस के अनुसार भैरूलाल मीणा पुत्र गोमाजी मीणा निवासी संगतपुर चंदोडा थाना सेमारी की ओर से रिपोर्ट में बताया कि विजय कुमार पुत्र मादुजी मीणा निवासी निवासी संगतपुरा सोमवार को उसकी बाइक खेरवाडा जाने को कहकर ले गया था। विजय कुमार उसकी पत्नी रेखा मीणा और बेटा प्रकाश मीणा तीनों खेरवाडा से वापस घर लौट रहे थे। देर शाम के समय घोडी गांव के पास पहुंचते ही ढेलाणा गांव की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में विजय, उसकी पत्नी रेखा, बेटा प्रकाश और दूसरी बाइक पर सवार हीरालाल पुत्र कालूराम खराडी निवासी बडला खेरवाडा और काउ डामोर पुत्र कावाजी डामोर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। घायलों को तुरंत डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। इमरजेंसी में जांच के बाद डॉक्टर ने प्रकाश, काऊ और हीरालाल को मृत घोषित कर दिया। जबकि विजय कुमार और उसकी पत्नी रेखा घायल हो गए। रेखा की हालत गंभीर होने पर उसे भर्ती कर इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर कल्याणपुर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। वहीं, तीनों मृतकों के शव को डूंगरपुर अस्पताल के मॉर्च्युरी में रखवाया। जहां परिजनों ने एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया। पुलिस ने शव के पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

- दिवाली के दिन तीन जनों की मौत से परिवारों में मातम पसरा हुआ है

# बी.एस.एफ. दिल्ली के एडीजे ने जवानों के साथ दीपावली मनाई

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। दीपावली पर सीमा पर जवान अधिकारी जो कि सीमा सुरक्षा ड्यूटी के कारण घर नहीं जा पा रहे हैं वे अपने को इस त्यौहार के मौके पर अकेला महसूस न करें इसके लिए हेडक्वार्टर में लोजेस्टिक एडीजे डी के बूरा, डीआईजी सेक्टर नार्थ जतिंदरसिंह बिंजी, 20 वीं बटालियन के कमाण्डेंट नीरज शर्मा सहित अन्य अधिकारीयों के साथ सोमवार को तनोट पहुंचे। तनोट माता मंदिर परिसर में उन्होंने तनोट मातेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की व विजय स्तम्भ पर 1971 व 1965 के पाकिस्तान के साथ युद्धों में शहीद हुए सुरक्षा बलों के जवानों व अधिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने तनोट में तैनात जवानों व अधिकारियों को दीपावली की मिठाईयां भेंट कर उन्हें दीपावली की बधाइयां दी।

# जैसलमेर बस हादसा : मृतकों की संख्या 26 पहुंची

**जोधपुर,** (कासं)। जैसलमेर जिले के थइयात गांव के पास में निजी बस में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या 26 पहुंच गई है। मंगलवार को अस्पताल में एडमिट जैसलमेर जिले के लाठी गांव निवासी ओमप्रकाश (40) की मौत हो गई।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह भाटी ने बताया कि ओमप्रकाश की आज इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। इस हादसे में अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल अस्पताल में छह लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक वेंटिलेटर पर है और पांच सामान्य वार्ड में एडमिट हैं। हादसे में एक दिन पहले ही अपने तीन बच्चों को खोने वाली महिला इमामत की भी मौत हुई थी। इधर पुलिस ने कार्रवाई कर शव परिजन के सुपुर्द किया है। वह 85 फीसदी तक झुलस गई थी। हादसे की शिकार होने के बाद महात्मा गांधी अस्पताल में सबसे पहले इमामत को ही लाया गया था। 85 फीसदी जलने के कारण शुरू से ही उसकी जान को खतरा बना हुआ था। आखिरकार सोमवार की देर रात इमामत ने अंतिम सांस ली। वहीं उसके पति पीर मोहम्मद का उपचार जारी है। उसे अहमदाबाद रैफर किया गया है। महात्मा गांधी अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह ने बताया कि दो घायल वेंटिलेटर पर है।

- महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह भाटी ने बताया कि अस्पताल में छह लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक वेंटिलेटर पर है

# गुंदोज चौकी इंचार्ज चंपालाल की हादसे में मौत

**पाली,** (नि.सं.)। गुंदोज चौकी इंचार्ज चंपालाल दुघटना में गंभीर घायल हो गए। पाली के बांगड़ अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। गुंदोज चौकी के बाहर वाहन चेकिंग के दौरान हादसा हुआ। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। जानकारी के अनुसार बाइक सवार ने चपेट में ले लिया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक ग्रामीण रतनाराम देवासी सहित पुलिस विभाग के कई अधिकारी बांगड़ अस्पताल पहुंचे।


भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

रेलवे भर्ती बोर्ड

केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 05/2025

जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस)
और रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए) के विभिन्न पदों की भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न श्रेणियों के पद के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30.11.2025 है। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए।

आवेदन शुरू होने की तिथि : 31/10/2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 30/11/2025 (23:59 घंटे)

| पद का नाम | 7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल | प्रारंभिक वेतन (रू) | चिकित्सा मानक | 01.01.2026 को आयु | संभावित रिक्तियां (सभी आरआरबी) |
|---|---|---|---|---|---|
| जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस) और रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए) | स्तर-6 | 35400 | विस्तृत CEN में अनुलग्नक-A देखें | 18-33 वर्ष | 2570 (सभी आरआरबी) |

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण सत्यापित करें, ताकि गैर-आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा पास प्रमाण पत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि के साथ 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाएगा। इसी तरह, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा। यह अधिसूचना पूरी तरह से सांकेतिक प्रकृति की है। पूर्ण विवरण के लिए, आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले विस्तृत सीईएन संख्या 05/2025 को अच्छी तरह से पढ़ें। विस्तृत सीईएन 05/2025 और उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर नीचे सूचीबद्ध आरआरबी की वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

सीईएन संख्या 05/2025 में भाग लेने वाले सभी आरआरबी वेबसाइटें निम्नलिखित हैं

| | | |
|---|---|---|
| Ahmedabad www.rrbahmedabad.gov.in | Guwahati www.rrbguwahati.gov.in | Prayagraj www.rrbald.gov.in |
| Ajmer www.rrbajmer.gov.in | Jammu Srinagar www.rrbjammu.nic.in | Ranchi www.rrbranchi.gov.in |
| Bhopal www.rrbbhopal.gov.in | Kolkata www.rrbkolkata.gov.in | Secunderabad www.rrbsecunderabad.gov.in |
| Bhubaneswar www.rrbbbs.gov.in | Malda www.rrbmalda.gov.in | Siliguri www.rrbsiliguri.gov.in |
| Bilaspur www.rrbbilaspur.gov.in | Mumbai www.rrbmumbai.gov.in | Bengaluru www.rrbbnc.gov.in |
| Chandigarh www.rrbcdg.gov.in | Muzaffarpur www.rrbmuzaffarpur.gov.in | Gorakhpur www.rrbgkp.gov.in |
| Chennai www.rrbchennai.gov.in | Patna www.rrbpatna.gov.in | Thiruvananthapuram www.rrbthiruvananthapuram.gov.in |

संख्याः रेमबो/अज/एडीवीटी/05/2025
दिनांकः 22/10/2025

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।


# दीपावली की रात महिला ने पुरूष मित्र से पति का अपहरण करवाया, मारपीट कर फेंका

**नवलगढ़,** (निसं)। दीपावली की रात महिला ने पुरूष मित्र से पति का अपहरण करवाया। इसके बाद पति के हाथ पैर तोड़कर अधमरा करके जोहड़ में डाल गए। घायल व्यक्ति की पहचान छोटा बस स्टैंड निवासी कैलाश माहिच के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार शहर के छोटा बस स्टैंड के पास दीपावली की रात करीब नौ बजे बाइक पर अपने घर जा रहे युवक कैलाश माहिच (35) पुत्र ईश्वरलाल मेघवाल निवासी वार्ड 11 छोटा बस स्टैंड नवलगढ़ को कुछ बदमाश जबरन अपहरण कर कैंपर गाड़ी में डाल ले गए। त्यौहार के दिन अचानक हुए अपहरण की खबर फैलते ही शहर में दहशत का माहौल हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी कैलाश का पता नहीं चला। अगले दिन सुबह किसी ने पुलिस को सूचना दी कि छोटी बिड़ोदी के पास जोहड़ी में एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। इसके बाद 108 एंबुलेंस उसे लेकर नवलगढ़ जिला अस्पताल पहुंची तो घायल व्यक्ति की पहचान छोटा बस स्टैंड निवासी कैलाश माहिच के रूप में हुई। चिकित्सकों ने तुरंत घायल का उपचार शुरू किया तो अन्य गंभीर चोटों के अलावा कैलाश का एक्स-रे किया तो दोनों पैर में फ्रेक्चर मिले।

कैलाश ने बताया कि इन लोगों ने बिड़ोदी की जोहड़ी में ले जाकर सरियों और डंडों से मारपीट कर अधमरा करके छोड़ गए। गंभीर हालत होने पर नवलगढ़ जिला अस्पताल से कैलाश को सीकर रैफर कर दिया गया। सीकर में भी चिकित्सकों ने सोमवार रात्रि को ही जयपुर के लिए रैफर कर दिया गया। कैलाश जयपुर एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। अस्पताल में नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई राधेश्याम सांखला ने पुलिस टीम के साथ पहुंचकर पर्चा बयान लिया।

मारपीट की घटना के पीड़ित कैलाश माहिच ने पुलिस को बताया कि दीपावली की रात सोमवार को करीब 8.30 बजे मैं व मेरा दोस्त महेंद्र सैनी जयपुरिया स्कूल के पास से मोटरसाइकिल पर घर जा रहे थे। तभी एक बिना नंबर की कैंपर गाड़ी मोटरसाइकिल के आगे लगाकर छोटी बिड़ौदी निवासी संदीप भास्कर व 4-5 अन्य ने जबरन कैंपर में डालकर अपहरण कर लिया। छोटी बिड़ौदी के जोहड़ में ले जाकर पाइपों व सरियों से मारपीट की। पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर जानलेवा हमला तथा एससी/एसटी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट के पीड़ित कैलाश माहिच ने बताया कि उसकी शादी नूनियां गोठड़ा निवासी संगीता से वर्ष 2011 में हुई थी। जिससे उनके 12 वर्षीय पुत्र व सात वर्षीय पुत्री सहित दो बच्चे भी हैं। करीब चार वर्ष पूर्व उसकी पत्नी छोटी बिड़ौदी निवासी संदीप से गुपचुप दोस्ती के चलते बच्चों व पति को छोड़कर संदीप के साथ चली गई और उसके साथ लिवइन में रहने लगी। दीपावली के दिन वह अचानक कैलाश के घर नवलगढ़ पहुंची। कैलाश ने उसे घर से निकल जाने के लिए कहा तो बोली कि वह बच्चों से मिलने आई है। इसी दौरान दोनों में तीखी नोंक-झोंक हुई और कैलाश को जान से मारने व हाथ पांव तुड़वाने की धमकी देकर संगीता वहां से चली गई। कुछ ही घंटों बाद रात को कैलाश का अपहरण कर लिया गया।

सीआई राधेश्याम सांखला, थानाधिकारी नवलगढ़ का कहना है कि पीड़ित के पर्चा बयान के आधार पर मामला दर्ज करके जांच की जा रही है। पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

घायल को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया।

- पति के हाथ-पैर तोड़कर अधमरा करके जोहड़ में डाल गए महिला के पुरूष मित्र
- घायल को जयपुर एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया, हालत गंभीर

# 'पुलिस तकनीक के साथ करेगी अपराध पर प्रहार, अपराधियों का बचना नामुमकिन'

## जेईसीसी में 8 दिवसीय नव विधान प्रदर्शनी का हुआ भव्य समापन

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर ।** जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित नव विधान-न्याय की पहचान प्रदर्शनी का मंगलवार की शाम भव्य समारोह के साथ सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस 8 दिवसीय प्रदर्शनी में नए आपराधिक कानूनों की बारीकियों को आधुनिक पुलिस नवाचारों के माध्यम से जनता तक पहुंचाया गया। प्रदर्शनी की कुल डिजिटल और भौतिक पहुँच 1.8 करोड़ से अधिक रही, जो इसकी ऐतिहासिक सफलता को दर्शाती है।

समारोह में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम मुख्य अतिथि रहे और उनके साथ विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत तथा पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित महानिदेशक आनंद श्रीवास्तव संजय अग्रवाल, मालिनी अग्रवाल, निदेशक आरपीए एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एस. सेंगाथिर अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सीतापुरा स्थित जेईसीसी में ''नव विधान-न्याय की पहचान'' प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

### न्याय में सुलभता और अपराध पर कठोर प्रहार

मुख्य अतिथि जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि नए कानूनों से न्याय मिलने में सुलभता और समयबद्धता आई है, जिससे अपराधों के ग्राफ में भारी कमी आई है। उन्होंने जोर दिया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पदभार ग्रहण करने के बाद यही प्राथमिकता थी कि राजस्थान अपराध मुक्त बने और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

बेढम ने राजस्थान पुलिस की पूरी टीम को बधाई दी कि उन्होंने सिस्टम को अपग्रेड कर अपराध के खिलाफ प्रभावी प्रहार किया है।बेढम ने कहा नए कानून में तकनीकी साक्ष्य पर बल है, जिससे गवाहों के मुकरने की संभावना कम हो जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि डिजिटल तरीके से साक्ष्य उपलब्ध होने पर अपराधियों को कड़ी सजा मिलेगी और कोई भी अपराधी अब बच नहीं पाएगा।

### टेक्नोलॉजी, कनेक्टिविटी और मॉनिटरिंग पर जोर

विशिष्ट अतिथि भास्कर ए. सावंत ने कहा कि एक चुस्त-दुरुस्त आपराधिक न्याय प्रणाली स्थापित करने के लिए टेक्नोलॉजी, कनेक्टिविटी और हार्डवेयर अपग्रेड आवश्यक हैं, जिसमें यूआईटी की अहम भूमिका है। उन्होंने पुलिस को आपराधिक न्याय प्रणाली का सबसे बड़ा स्तंभ बताया और आश्वस्त किया कि तंत्र को मजबूत करने के लिए आने वाले प्रस्तावों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सावंत ने मॉनिटरिंग की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके लिए राज्य और जिला स्तर पर सिंपल डैशबोर्ड होना चाहिए ताकि तंत्र की प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

शताब्दी का सबसे बड़ा परिवर्तन

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने प्रदर्शनी को शताब्दी का सबसे बड़ा परिवर्तन बताया, जो औपनिवेशिक कानून को बदलकर देश को अपने लोगों द्वारा बनाए गए कानून दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी इस बदलाव के पीछे की सोच को दर्शाती है। डीजीपी ने पुलिसकर्मियों की सराहना की कि उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़कर नए कानून की बारीकियों को समझा। उन्होंने जोर दिया कि यह समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है, जिसमें पुलिस पारदर्शिता और तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को त्वरित और बेहतर न्याय दिलाना सुनिश्चित करेगी। शर्मा ने राजस्थान पुलिस सेवार्थ कटिबद्धता का संकल्प दोहराया। आरंभ में आरपीए निदेशक एडीजीपी एस सेंगाथिर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रदर्शनी की विषयवस्तु और उपलब्धियों के बारे में बताया।

### रिकॉर्ड 2 लाख सहभागिता रही

जेईसीसी सीतापुरा में आयोजित नव विधान -न्याय की पहचान प्रदर्शनी देश में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों की समझ को आधुनिक पुलिस नवाचारों के माध्यम से जनता तक पहुंचाने का एक सफल मंच बनी।

जिसमें भौतिक और ऑनलाइन माध्यम से 1.67 करोड़ से अधिक लोगों की रिकॉर्ड-तोड़ भागीदारी दर्ज की गई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक एस. सेंगाथिर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एव सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा जेईसीसी में किया गया था। उद्घाटन समारोह में भौतिक रूप से 15 हजार और ऑनलाइन माध्यम से 1.25 लाख लोगों ने भाग लिया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक एस. सेंगाथिर ने आठ दिनों तक चली मुख्य प्रदर्शनी (14 अक्टूबर से 21 अक्टूबर) में करीब 58 हजार लोगों ने भौतिक रूप से अवलोकन किया। इसमें 14,000 शैक्षिणक संस्थानों के प्रतिनिधि, 13,200 व्यावसायिक-सोश्यल समूह एवं सरकारी कर्मचारी, 2,700 सीएलजी-सुरक्षा सखी सदस्य और 11800 पुलिसकर्मी शामिल थे। प्रदर्शनी की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 22 उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, 140 एपीपी/वकीलों और 170 डॉक्टरों सहित 550 विशेष अतिथियों ने भी इसे देखा।

### सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त धूम

प्रदर्शनी की पहुँच केवल भौतिक परिसर तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इसने धूम मचाई।

विभिन्न हैंडल्स से कुल 200 पोस्ट किए गए, जिन्होंने 16.7 मिलियन (1.67 करोड) से अधिक व्यूज प्राप्त किए। इनमें इंस्टाग्राम पर 7 मिलियन, फेसबुक पर 5.2 मिलियन, ट्विटर पर 2.8 मिलियन और यूट्यूब पर 1.7 मिलियन व्यूज शामिल हैं, जो इसकी व्यापक सफलता को दर्शाते हैं।

### तकनीक और सिमुलेशन बने मुख्य आकर्षण

प्रदर्शनी का एक प्रमुख आकर्षण आधुनिक पुलिस तकनीक और सिमुलेटर रहे, जिन्होंने आगंतुकों को पुलिस प्रशिक्षण का सीधा अनुभव दिया।

पुलिसकर्मी और आमजन दोनों ही इन उपकरणों के उपयोग को लेकर काफी उत्साहित थे। फायरिंग सिमुलेटर पर लगभग 16 हजार लोगों ने अभ्यास किया, जबकि वाहन सिमुलेटर का अनुभव लगभग 8 हजार लोगों ने लिया। इसके अलावा पुलिस कार्यप्रणाली से संबंधित क्विज प्रतियोगिताओं में 18 हजार लोगों ने भाग लिया।

# कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में फर्जी दस्तावेजों की मदद से बैठाया था डमी कैंडिडेट

## उदयपुर पुलिस ने कराया सोडाला थाने में आरोपित डमी कैंडिडेट के खिलाफ मामला दर्ज

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** राजस्थान कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में एआई टेक्नीक से पकड़े गए डमी कैंडिडेट से उदयपुर पुलिस की पूछताछ में अपने भाइयों की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में बैठकर वह तीन भर्ती परीक्षा देना सामने आया है । उसने परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठने के लिए फर्जी दस्तावेज का प्रयोग किया था। इस संबंध में उदयपुर पुलिस की ओर से जयपुर के सोडाला थाने में आरोपित डमी कैंडिडेट के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी बलवीर सिंह ने बताया कि उदयपुर के (नगर पूर्व) के सीओ छगन पुरोहित ने मामला दर्ज करवाया है कि कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2025 की लिखित परीक्षा 13 सितम्बर को आयोजित हुई थी। उदयपुर के एग्जाम सेंटर पर कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने पवन कुमार शर्मा (25) निवासी राजाखेड़ा जिला धौलपुर पहुंचा था। बायोमेट्रिक इंप्रेशन करने पर पवन कुमार कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का मूल कैंडिडेट था।

एआई टेक्निकल के जरिए पवन कुमार के पूर्व में दी गई भर्ती परीक्षा किसी ओर नाम से देना सामने आया। उदयपुर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने डमी कैंडिडेट के रूप में पहले भर्ती परीक्षा देने का पता चलने पर पकड़ा था।

उदयपुर पुलिस की पूछताछ में आरोपित पवन कुमार ने कई अहम खुलासे किए। पूछताछ सामने आया कि साल-2022 में जयनारायण विश्वविद्यालय जोधपुर की ओर से बीएड की पीटीईटी की परीक्षा आयोजित हुई थी। भर्ती परीक्षा में उसने छोटे भाई अखिलेश शर्मा की जगह डमी अभ्यर्थी के रूप में धौलपुर के महाराणा सरकारी स्कूल में परीक्षा दी थी। साल-2022 में राजस्थान पुलिस कांस्टेबल की लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन हुआ था।

उस भर्ती परीक्षा में भी छोटे भाई अखिलेश शर्मा के नाम से डमी कैंडिडेट के रूप में जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित एग्जाम सेंटर पर परीक्षा दी। जून-2025 को महावीर वर्धमान ओपन यूनिवर्सिटी कोटा ने बीएसटीसी लिखित परीक्षा-2025 का आयोजन किया था। भर्ती परीक्षा में आरोपी पवन कुमार ने अपने ताऊ के लड़के जितेंद्र कुमार शर्मा की जगह डमी अभ्यर्थी बैठकर 22-गोदाम हवा सड़क स्थित यश विद्या मंदिर सीनियर सेकेंड स्कूल में एग्जाम दिया। तीनों भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठने के लिए सही दस्तावेज में हेरफेर किया था।

# पूर्व मंत्री के नाबालिग बेटे ने ऑडी कार से मारी स्विफ्ट कार को टक्कर

## हादसे में घायल हुए युवक-युवती, विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप

**जयपुर।** प्रताप नगर थाना इलाके में एनआरआई सर्किल पर एक स्विफ्ट कार को तेज रफ्तार ऑडी कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में स्विफ्ट सवार युवक सहित दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद जब दोनों ने ऑडी कार को रुकवाकर बात करनी चाही तो चालक ने उनके साथ मारपीट कर दी। ऑडी कार ने दो अन्य कारों को भी ठोक दिया था। हरियाणा नंबर की ऑडी कार राजस्थान के पूर्व मंत्री रहे राजकुमार शर्मा का नाबालिग बेटा चला रहा था। जो जगतपुरा में निजी स्कूल का छात्र है और उसकी कार में उसके साथ दो सहपाठी भी बैठे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑडी कार के एयर बैग भी खुल गए।

■ पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने 5 घंटे तक दर्ज नहीं की एफ.आई.आर, पुलिस कमिश्नर के हस्तक्षेप के बाद दर्ज हुआ मामला

पुलिस के अनुसार पीड़ित पुलकित पारीक निवासी इंदिरा गांधी नगर खोह नागोरियान ने बताया कि अपनी दोस्त सुरभि निवासी रामनगरिया के भाई बीमार होने के कारण उन के इलाज के लिए ब्लड लेकर एनआरआई सर्किल से ठाकुरिया हॉस्पिटल जा रहे थे। दोपहर करीब 2.11 बजे उनकी स्विफ्ट कार को एनआरआई सर्किल पर एक ऑडी कार ने तेज गति से आते हुए उनकी कार को पीछे से टक्कर मारी। जिसके कारण उन्हें और सुरभि को गंभीर चोटें आई। पारीक ने बताया कि टक्कर के बाद उन्होंने और सुरभि ने ऑडी कार के चालक को रोका। इस पर चालक ने उससे और सुरभि से मारपीट शुरू कर दी। ऑडी कार के चालक को मौके पर भीड़ ने पकड़ लिया। जब चालक से उसका नाम-पता पूछा तो उसने खुद को पूर्व एमएलए राजकुमार शर्मा का बेटा बताया। उसने धमकाते हुए कहा कि मेरा तुम लोग कुछ नहीं कर सकते और रही तुम्हारी गाड़ी की बात तो वह हम ठीक करवा देंगे।

पीड़ित पुलकित पारीक ने रिपोर्ट में बताया कि ऑडी कार चलाने वाला युवक खुद को युवराज शर्मा पुत्र राजकुमार शर्मा बता रहा था। उसकी उम्र करीब 15-16 साल बताई जा रही है। पुलकित के अनुसार युवराज ने उन्हें धमकी दी कि मैं एमएलए का बेटा हूं, तुम कुछ नहीं बिगाड़ सकते। घायल पुलकित ने बताया कि प्रताप नगर थाना पुलिस ने उन्हें अस्पताल तक नहीं पहुंचाया, और उन्हें प्राइवेट वाहन से इलाज के लिए जाना पड़ा। उनका आरोप है कि पुलिस ने मौके से आरोपी को छोड़ दिया और 5 घंटे तक एफआईआर दर्ज नहीं की। बाद में पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ को शिकायत दी। उनके हस्तक्षेप के बाद ही थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई।

# मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

**जयपुर ।** भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर आंगनबाड़ी, मिड-डे मील, आशा सहयोगिनी, एनबीसी, परिवहन एवं बिजली कर्मचारियों के मुद्दों पर अपना पक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से एनबीसी, आशा सहयोगिनी, आशा कर्मचारी, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, विद्युत् ठेका मजदूर, सर्व शिक्षा लोक जुम्बिश व विशेष शिक्षा एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के हित में ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। प्रदेश महामंत्री हरिमोहन शर्मा ने कहा कि वर्तमान में मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय होती जा रही है।

# हाईकोर्ट ने छह करोड की जी.एस.टी. चोरी के आरोपी को दी जमानत

**जयपुर ( कासं )।** राजस्थान हाईकोर्ट ने छह करोड रुपए से अधिक की जीएसटी चोरी के मामले में आरोपी प्रेम कुमार को जमानत पर रिहा करने के आदेश हैं। जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपी की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामले में आरोपी के खिलाफ पेश आरोप पत्र की सुनवाई में समय लगने की संभावना है। वहीं मामले में अभियोजन साक्ष्य हैं, वह इलेक्ट्रॉनिक प्रकृति है और उनके साथ छेडछाड का अंदेशा नहीं है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ पहले से कोई भी आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जा सकता है।

■ अदालत ने कहा कि ''इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से छेड़छाड़ का अंदेशा नहीं है।''

जमानत याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की कंपनी मैसर्स केशव सीमेंट एजेंसी ने 28 फीसदी जीएसटी अदा कर सीमेंट कंपनी से सीमेंट खरीदी थी। उस पर आरोप है कि उसने बिना माल भेजे केवल इनवॉइस के आधार पर छह करोड रुपए से अधिक की टैक्स चोरी की है। याचिका में कहा गया कि मामले में जिन दो कंपनियों को बिल जारी किए गए, उसके आधार पर दोनों कंपनियों ने टैक्स अदा कर दिया। वहीं यदि याचिकाकर्ता के खिलाफ टैक्स चोरी का मामला बनता है तो वह पांच करोड़ रुपए से अधिक का नहीं हो सकता और पांच करोड़ रुपए तक का आरोप जमानती अपराध की श्रेणी में आता है। इसके बावजूद भी विभाग ने संपूर्ण बिलों की राशि को जीएसटी की राशि जोड़कर छह करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी का बनाकर याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया।

जमानत याचिका का विरोध करते हुए जीएसटी विभाग की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने बिना माल भेजे फर्जी इनवॉइस के आधार पर इनपुट टैक्स क्रेडिट पास ऑन करके गैर कानूनी लाभ उठाया है। वहीं उसकी फर्म को करीब साढे छह करोड रुपए की टैक्स क्रेडिट ट्रांसफर हुई है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

# चाकू गोदकर युवक की हत्या करने वाले दो बदमाश गिरफ़्तार

**जयपुर।** जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच दिन पहले युवक की हत्या के मामले में फरार दो आरोपितों को गिरफ़्तार किया है। जो बारात का पीछा करते हुए शादी समारोह में घुसे थे और फिर सरिए से जानलेवा हमले के दौरान चाकू से गोदकर अल्ताफ नाम के युवक की हत्या कर भागे थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के साथ ही फरार साथियों की तलाश कर रही है। थानाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि 15 अक्टूबर को जानलेवा हमले के दौरान चाकू से गोदकर अल्ताफ नाम के युवक की हत्या के मामले में आरोपित मोहम्मद अमन (25) निवासी फकीरों की डूंगरी ब्रह्मपुरी हाल सडवा जयसिंहपुरा खोर और जफर (30) निवासी रहमत कॉलोनी सडवा जयसिंहपुरा खोर को गिरफ्तार किया है।

शर्मा ने बताया कि 15 अक्टूबर की रात को अल्ताफ (26) पुत्र शहजाद निवासी फकीरों की डूंगरी ब्रह्मपुरी की चाकू से गोदकर हत्या के बाद से दोनों आरोपी फरार थे।

# चयन के बाद भी नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

## हाईकोर्ट ने पद रिक्त रखने का आदेश देते हुए तकनीकी शिक्षा सचिव और उद्यमिता विभाग से जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर ।** राजस्थान हाईकोर्ट ने कौशल नियोजन व उद्यिमता विभाग में कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में चयन के बावजूद नियुक्ति से वंचित करने पर तकनीकी शिक्षा सचिव और उद्यिमता विभाग से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती में याचिकाकर्ताओं के लिए पद रिक्त रखने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश हिमांशु मिश्रा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

■ कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में चयन के बावजूद नियुक्ति से वंचित रखने का मामला

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि विभाग ने 11 मार्च, 24 को कनिष्ठ अनुदेशक के पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसमें शैक्षिणक और तकनीकी योग्यता के साथ अभ्यर्थी के पास संबंधित ट्रेड में मान्यता प्राप्त संस्थान से वैतनिक अनुभव जरूरी रखा गया। विभाग की ओर से मेरिट के आधार पर भर्ती का परिणाम घोषित कर याचिकाकर्ता को परिणाम में पास कर दिया। वहीं बाद में उन्हें यह कहते हुए नियुक्ति से वंचित कर दिया कि उनके पास वैतनिक कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र नहीं है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ताओं को अनुभव अवधि के दौरान नकद भुगतान होता था और इसका रिकॉर्ड वेतन ब्यौरा रजिस्टर में दर्ज है। इसके अलावा भर्ती में वैतनिक अनुभव की शर्त लगाना भी गलत है, क्योंकि सेवा नियमों में सिर्फ अनुभव होना ही पर्याप्त माना गया है।

ऐसे में याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति से वंचित करना गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ताओं के लिए पद रिक्त रखने को कहा है।

# देश के अमर शहीदों से प्रेरणा लेकर कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा करें : डीजीपी राजीव शर्मा

## राजस्थान पुलिस अकादमी में राज्य स्तरीय पुलिस शहीद दिवस समारोह आयोजित

**जयपुर ।** देश की सुरक्षा और शांति के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को मंगलवार 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने राष्ट्र सेवा में वीरगति प्राप्त करने वाले 191 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों के बलिदान को याद किया। वहीं कार्यक्रम की समाप्ति के बाद रक्तदान शिविर एवं पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। शर्मा ने इस दौरान सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों से शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ देश की सेवा करने का संकल्प लेने का आव्हान किया।

डीजीपी ने अपने संबोधन में बताया कि 66 वर्ष पहले 21 अक्टूबर 1959 के दिन लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में भारतीय पुलिस के जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। उन्हीं अमर जवानों की शहादत को याद करने और उनसे प्रेरणा लेने के लिए हर वर्ष 21 अक्टूबर को यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस के इन वीर जवानों का बलिदान भारतीय पुलिस के कार्यों की उच्चतम परम्पराओं का प्रतीक है, जो देशभर में पुलिस जवानों के समक्ष कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम आदर्श प्रस्तुत करता है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने आर.पी.ए. में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डीजीपी शर्मा ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में एक सितम्बर 2023 से 31 अगस्त 2024 की अवधि में राष्ट्र सेवा में वीरगति प्राप्त करने वाले 191 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों के नाम वाचन किए तथा राजस्थान पुलिस परिवार की ओर से उन्हें भावांजलि अर्पित की। उन्होंने राजस्थान के शहीद पुलिसकर्मी एएसआई सुरेंद्र कुमार, हैड कांस्टेबल प्रसादी लाल, प्रह्लाद राम, कांस्टेबल अतर सिंह, राम सिंह, देवनारायण गुर्जर और अक्षय कुमार सहित अन्य राज्यों के शहीदों व बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, फायर सर्विसेज-होमगार्ड्स तथा आरपीएफ के जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित मुख्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सर्वप्रथम शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई तथा गार्ड ऑफ ऑनर के माध्यम से शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डीजीपी राजीव शर्मा और पूर्व डीजीपी ओमप्रकाश गल्होत्रा, डीजीपी प्रशिक्षण अशोक राठौर, सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक संग्राम सिंह, आईबी के ज्वाइंट डायरेक्टर रमाकांत शर्मा, सीबीआई के अतिरिक्त निदेशक संजय दुबे, एडीजी एवं आरपीए के निदेशक एस. सेंगाथिर, तथा जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस कर्मी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

■ शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, रक्तदान एवं पौधारोपण कार्यक्रम का भी हुआ आयोजन

शहीद दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में रक्तदान शिविर और पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर डीजीपी राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधे रोपकर हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षु और स्टाफ सदस्यों ने भाग लेकर शहीद पुलिस कर्मियों को समर्पित रक्तदान किया।

आरपीए में कार्यक्रम के बाद जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित त्रिमूर्ति सर्किल के पुलिस स्मारक पर भी श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। यहाँ डीजीपी राजीव शर्मा और कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पुलिस कमिश्नरेट जयपुर के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

# गोविन्ददेव जी मंदिर में हुआ गोवर्धन पूजन

पंच दिवसीय प्रकाश पर्व के चौथे दिन बुधवार को आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में गोवर्धन पूजन हुआ। महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में मंदिर के पश्चिमी प्रांगण स्थित तुलसी मंच पर गोवर्धन पूजा एवं गौ-बछड़ा पूजन किया गया। आरती और भोग के बाद श्रद्धालुओं को अन्नकूट प्रसादी वितरित की गई।

# बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 17 मोटरसाइकिलें बरामद

## पकड़े गये आरोपी युवराज ने चोरी की कई वारदातें करना स्वीकार किया

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर के सुभाष नगर पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले युवराज सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवराज सिंह से पुलिस ने 17 बाइक बरामद की है।

जानकारी के अनुसार शाहपुरा थाना क्षेत्र के बोरडा बावरियान निवासी राजेंद्र बंजारा ने 12 जुलाई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 जून की शाम को केशव हॉस्पिटल की पार्किंग में खड़ी उसकी बाइक गायब हो गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देशन में गठित टीम ने फुटेज का विश्लेषण, अपराधियों से पूछताछ और मुखबिरों की मदद से छापामारी कर आरोपी युवराज सिंह को पकड़ा। युवराज ने चोरी की सभी वारदातों को स्वीकार कर लिया। युवराज ने बताया कि उसने सुभाष नगर स्थित बांगड़, केशव और स्वस्तिक प्रोपर्टी के बाहर से 6 बाइक, भीमगंज थाना क्षेत्र से 5 बाइक, कोतवाली क्षेत्र के कोर्ट परिसर से 4 बाइक, प्रताप नगर थाना क्षेत्र के एस के प्लाजा से 1 बाइक और विजयनगर क्षेत्र से भी 1 बाइक चोरी की थी। थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि हेड कांस्टेबल सतीश कुमार, कांस्टेबल निहार, अमर सिंह और राजाराम की टीम ने इस बड़ी चोरी की वारदात का सफल खुलासा किया और सभी वाहनों को बरामद किया है। यह गिरफ्तारी बाइक चोरी के मामलों में पुलिस की बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

सुभाष नगर पुलिस ने बाइक चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

**होटल में अनैतिक गतिविधियों का वीडियो वायरल :** भीलवाड़ा शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में गांधी नगर में स्थित होटल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो में एक युवक और युवती आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे हैं। ये वीडियो पूरी तरह से जयपुर की फाइव स्टार होटल के वायरल वीडियो की तरह है।

बताया जा रहा है कि होटल के परिसर में अनैतिक गतिविधियां चल रही है। स्थानीय लोगों में रोष बना हुआ है। स्थानीय निवासी इस होटल में हो रही अवैध और अनैतिक गतिविधियों को लेकर प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि होटल पहले भी कई बार विवादों में रह चुका है, लेकिन अब तक सही कार्रवाई न होने से अनैतिक गतिविधियों के मामले बढ़ते जा रहा है।

**सीएनजी पेट्रोल पंप पर हंगामा :** अजमेर-भीलवाड़ा हाईवे स्थित जसवन्तपुरा के सीएनजी पेट्रोल पंप पर मंगलवार को एक बड़े हंगामे की खबर सामने आई। मांडल के तत्कालीन एसडीएम छोटू लाल शर्मा, जो वर्तमान में प्रतापगढ़ में पदस्थ हैं, ने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों पर हमला किया।

मामले के अनुसार, एसडीएम ने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को थप्पड़ मारे और उन्हें धक्का भी दिया। जवाब में एक पेट्रोल पंपकर्मी ने भी एसडीएम को थप्पड़ जड़ दिया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रायला पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने इस मामले में जयसवन्तपुरा पेट्रोल पंप के तीन कर्मचारियों दीपक माली, प्रभु लाल कुमावत और राजा शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पक्षों द्वारा की गई मारपीट की जांच जारी है। वीडियो के वायरल होने से एक बार फिर एसडीएम शर्मा सुर्खियों में आ गए हैं।

# बाजार में युवक ने ब्लेड से खुद का गला काटा, हालत गंभीर

## परिजन और रिश्तेदारों से परेशान था युवक

**अनूपगढ़,** (निसं)। परिजन और रिश्तेदारों से परेशान होकर एक युवक ने अपने गले पर ब्लेड चला दिया। इस दौरान वह 10 मिनट तक एक बंद दुकान के आगे तड़पता रहा। मामला श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ थाना क्षेत्र का है।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि घटना बुधवार शाम 4 बजे की है। शाम को थाने में सूचना मिली कि अनूपगढ़ शहर के मुख्य बाजार में चावला मिष्ठान भंडार के पास एक युवक ने ब्लेड के गर्दन पर वार कर लिया है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि सूचना पर टीम अनूपगढ़ जिला अस्पताल पहुंची। जहां युवक की पहचान सोनू (40) पुत्र रमेश अरोड़ा निवासी अनूपगढ़ के रूप में हुई। घायल युवक का प्रथामिक उपचार कर डॉक्टरों से बीकानेर रेफर कर दिया। वहीं घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। जिसमें युवक खुद को परिजन और रिश्तेदारों से परेशान बता रहा है। घटना की सूचना पर अनूपगढ़ पुलिस अस्पताल पहुंची। युवक को गंभीर हालत में बीकानेर रेफर कर दिया गया।

वीडियो में युवक बोल रहा है कि मुझे कोई टेंशन नहीं है। मुझे मेरे घरवालों और रिश्तेदारों ने परेशान कर दिया है। अगर मैं मर जाता हूं तो मेरी मौत का कारण मेरे घरवाले और रिश्तेदार होंगे। जो भी मेरे दादा दादी के नाम पे जमीन है। उसे दान किया जाए। मेरे घरवालों और रिश्तेदारों को उसमें से कुछ ना मिले। मैंने ब्लेड से खुद का गला काटा है। मैं मर जाऊंगा, मुझे ये पता है। मेरे घरवालों ने मेरा दिमाग खराब कर दिया था। कभी ये चाहिए तो कभी वो चाहिए।

इस दौरान घटना का एक अन्य वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ स्थानीय लोग ट्रैफिक में तैनात पुलिस के होमगार्ड पर मदद नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं। इस दौरान जवान ने बताया कि उसकी ड्यूटी ट्रैफिक में है और उसने एंबुलेंस को फोन कर दिया है। इस दौरान मौके पर मौजूद युवक ने इंसानियत का हवाला दिया तो कहा कि अगर तुम में इंसानियत है तो तुम पहुंचा दो।

लगभग 10 मिनट तक युवक घायल अवस्था में तड़पता रहा। इसके बाद, मौके पर मौजूद लोगों ने एक ऑटो की मदद से उसे अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अनूपगढ़ सब्जी मंडी में वह सब्जी की रेहड़ी लगाता है। युवक के ठीक होने के बाद बयान लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# विवादित जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में झड़प

## पत्थरबाजी और आगजनी की घटना होने से एक दुकान जलकर खाक हुई

**टोंक,** (निसं)। पीपलू उपखण्ड के हमेरिया गांव में विवादित जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई, इस दौरान पत्थरबाजी और आगजनी की घटना होने से एक दुकान जलकर खाक हो गई। पीपलू थाना पुलिस ने मामले में पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

- **पांच व्यक्ति गिरफ्तार, 50 नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज**

प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद गांव के सार्वजनिक कुएं के पास एक जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर शुरू हुआ, मामले में माली समाज का एक परिवार वहां मकान बना रहा था, जबकि इस जमीन पर न्यायालय का स्थगन आदेश (स्टे) लागू था। स्टे के बावजूद निर्माण शुरू करने पर दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों में पत्थरबाजी शुरू हो गई। झड़प के दौरान एक पक्ष ने परचूनी की एक दुकान में आग लगा दी, जिससे करीब एक लाख रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। मौके पर पीपलू थाना की बनवाड़ा चौकी पुलिस पहुंचकर आग पर काबू पाया और पास के एक घर से तीन गैस सिलेंडर व बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पीपलू वृताधिकारी अरविंद कुमार सहित पीपलू, झिराना और बरोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। गांव की महिलाओं ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने घरों में घुसकर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

वहीं पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि माली समाज की एक महिला की शिकायत पर 50 नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

# हेड कांस्टेबल की गाड़ी को टक्कर मार हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

## पुलिस ने मुख्य आरोपी के कब्जे से 12 बोर राइफल बरामद की

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर की प्रताप नगर पुलिस चौकी के बाहर हाईवे पर नाकाबंदी तोड़कर हेड कांस्टेबल प्रमोद यादव को गाड़ी की टक्कर मारने और हमला करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी साहिल खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 बोर राइफल बरामद की है।

- **मुख्य आरोपी साहिल के अन्य साथियों की तलाश कर रही है पुलिस**

जानकारी के अनुसार यह हमला 16 अक्टूबर की रात करीब 7:45 बजे हुआ था, जब ब्लैक स्कॉर्पियो ने पुलिस की नाकाबंदी तोड़ दी। इस हमले में हेड कांस्टेबल प्रमोद यादव का दाहिना पैर टूट गया था और कांस्टेबल दिलीप सिंह के घुटने में चोट आई थी। पुलिस ने प्रमोद यादव की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी साहिल खान को चित्तौड़गढ़ के शंभूपुरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। इसके साथ-साथ साहिल के अन्य साथियों मीम अफजल खान, मोहम्मद हाथिम, बलराम सिंह राठौड़ और सोहेल खान की तलाश जारी है। पुलिस ने इन सभी आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है। थाना प्रभारी सुरजीत सिंह का कहना है कि घटना के बाद ही स्कॉर्पियो में सवार संदिग्धों की खोज शुरू की गई, जिसमें साहिल की गिरफ्तारी महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। बाकी आरोपितों की धरपकड़ के लिए टीम सक्रिय है।

## हादसे में बाइक सवार की मौत

**कोटा,** (निसं)। कैथून थाना इलाके में ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। कैथून के गोलियाहेड़ी निवासी हरीश (35) सांगोद के देवली इलाके से लौटते समय कैथून चौराहे के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने ओवरटेक करने के दौरान लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलते हुए बाइक को टक्कर मारी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हरीश कुमार को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

# मॉडिफाइड पिकअप से शराब तस्करी, एक गिरफ्तार

## गुजरात सप्लाई से पहले पुलिस ने नाकाबंदी में दो लाख की शराब पकड़ी

**डूंगरपुर,** (निसं)। शराब तस्करी के लिए बनाई गई मॉडिफाइड बोलेरो पिकअप को पुलिस ने राजस्थान-गुजरात सीमा पर धर दबोचा। वाहन के लोडिंग पार्ट में बने गुप्त बॉक्स से करीब दो लाख रुपए की इंपोर्टेड शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है।

धंबोला थानाधिकारी ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्यवाही के तहत सरथुना बॉर्डर पर नाकाबंदी के दौरान एक गुजरात नंबर की बोलेरो पिकअप आती दिखाई दी। पुलिस ने जब वाहन को रुकवाकर तलाशी ली तो वह ऊपर से खाली नजर आई। पुलिस को शक होने पर वाहन की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान लोडिंग पार्ट स्लाइडर की तरह बाहर निकला और नीचे एक गुप्त केबिन मिला। जब उसे खोला गया तो उसमें राजस्थान निर्मित शराब की 215 बोतलें मिलीं। शराब की बाजार कीमत करीब 2 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके से ईश्वरनाथ पुत्र धर्मनाथ योगी निवासी जालरिया थाना आसींद, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। आरोपी गुजरात में शराब की तस्करी के लिए इसे ले जा रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी खुलासा किया जा सके।

## गाय से टकराई बाइक, युवक की मौत

**लूणकरणसर,** (निसं)। एनएच-62 पर हरियासर के निकट एक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। एक बाइक गाय से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर खेत की तार पट्टी से जा टकराई। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर टाइगर फोर्स टीम के राकेश मूंड ने भाडेरा टोल की एंबुलेंस को सूचित किया। एंबुलेंस द्वारा घायल को तुरंत लूणकरणसर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 25 वर्षीय राजपाल मेघवाल पुत्र जीत राम मेघवाल के रूप में हुई है, जो डेलाना बड़ा का निवासी था।

# कुएं में डूबने से युवक की मौत

निवाई के भातडिया में पुलिस व ग्रामीणों ने युवक को कुएं से बाहर निकाला।

**निवाई,** (निसं)। वनस्थली के समीप स्थित गांव भातड़िया में कुएं में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि गुणीराम (26) पुत्र गणेश बैरवा निवासी बैरवा की ढाणी भातड़िया कुएं में पानी की मोटर उतारने गया था। जिसका संतुलन खराब होने से वह कुएं में गिर गया। जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामवासियों की मदद से उसको कुएं से बाहर निकालकर उपचार के लिए उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

**कुएं में गिरने से महिला की मौत :-** वहीं गांव पितावास में एक महिला की कुएं में गिरने से मौत हो गई। थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि रिंकू गुर्जर (25) पत्नी विश्राम गुर्जर निवासी पितावास थाना बरौनी में मिर्गी का दौरा आता है। वह असंतुलित होकर कुएं में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के शव को कुएं से निकालकर राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय पीपलू में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

## पुरानी खान धंसने से गहरा गड्ढा बना

**नोखा,** (निसं)। यहां उगमपूरा क्षेत्र में बुधवार सुबह बजरी की पुरानी खान धंसने से हनुमानजी मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर जमीन में गहरा गड्ढा बन गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां से कोई वाहन या राहगीर नहीं गुजर रहा था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही एएसआई राजूराम और पुलिस जवान मौके पर पहुंचे। उन्होंने एहतियात के तौर पर सड़क मार्ग को बंद करवा दिया और लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया। जिस स्थान पर यह धंसाव हुआ है, उसके समीप हनुमानजी मंदिर परिसर में जनता क्लिनिक भी संचालित है। यह मार्ग रोजाना सैकड़ों वाहनों और आमजन के आवागमन का मुख्य रास्ता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि भूमिगत खान की पुरानी सुरंगें इस धंसाव का कारण हो सकती हैं। प्रशासन ने क्षेत्र का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।

नोखा में पहले भी कई बार जमीन धंसने की ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खोखली जमीन पर बड़ी आबादी बसी होने के कारण भविष्य में भी ऐसे हादसों की आशंका बनी हुई है।

## ट्रक पुलिया से नीचे गिरा, चालक की मौत

**कोटा,** (निसं)। बूढ़ादीत थाना इलाके में 8 लेन एक्सप्रेस पर रॉन्ग साईड से आ रहा ट्रक असंतुलित होकर पुलिया से नीचे गिर गया, हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार ट्रक मंडाना गोपालपुरा झालावाड़ रोड से 8 लेन एक्सप्रेस पर चढ़ा था और दिल्ली की तरफ जा रहा था। ट्रक में ऑयल पेंट और तारपीन केमिकल भरा हुआ था। ट्रक चालक को नींद की झपकी आने से 8 लेन पर झाड़गांव के समीप ट्रक नियंत्रण खो बैठा और दोनों लेन के बीच बनी पुलिया से टकराकर नीचे जा गिरा, हादसा इतना भीषण था कि ट्रक का केबिन पूरी तरह से चिपक गया और चालक अंदर ही फंस गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस व ग्रामीणों ने क्रेन की मदद से केबिन तोड़कर ट्रक चालक को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद ट्रक चालक को मृत घोषित कर दिया।

मामले को लेकर बूढ़ादीत थाने के एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि ट्रक चालक जिला हरियाणा के बादली निवासी तस्लीम था जो ट्रक लेकर दिल्ली की तरफ जा रहा था। एएसआई ने बताया कि 8 लेन पर झाड़गांव के समीप संभावना है कि ट्रक चालक को नींद की झपकी लगने से ट्रक असंतुलित होकर पुलिया से नीचे गिर गया। हादसे में चालक तस्लीम की मौत हो गई, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

# दीपावली की रात मोहनगढ़ मंडी व्यापारी और अकाउंटेंट की हत्या

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। जिले में मोहनगढ़ मंडी व्यापारी और उसके अकाउंटेंट की हत्या से दहशत फैल गई है। दोनों शव मोहनगढ़ कस्बे से करीब 6 किलोमीटर दूर नई मंडी में मिले।

- **दोनों के शव मोहनगढ़ कस्बे से करीब छह किलोमीटर दूर नई मंडी में मिले**

जानकारी के अनुसार दोनों की हत्या दिवाली की रात की गई। मंगलवार सुबह मंदिर के एक पुजारी ने खून से लथपथ बॉडी देखी थी। ये बॉडी अनाज व्यापारी मदनलाल सारस्वत और उनके मुनीम रेवंतराम की थी। जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना इलाके में दीपावली की रात 20 अक्टूबर को हुई अनाज व्यापारी और उसके मुनीम की हत्या ने पूरे जिले को दहला दिया। मंगलवार देर शाम दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंपा गया, जिसके बाद वे शव लेकर बीकानेर रवाना हो गए। पुलिस ने हत्यारों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है। मृतक व्यापारी मदनलाल सारस्वत ने हत्या से कुछ घंटे पहले अपनी कार का टैंक फुल करवाया था ताकि पूजा के बाद बीकानेर लौट सके। पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज में वह दिखाई भी दे रहा है। जांच में सामने आया है कि हत्यारे वारदात के बाद उसी कार को लेकर मौके से फरार हुए।

# बदमाशों ने पुलिस नाकाबंदी तोड़ी, इनामी अपराधी फरार

## तीन अन्य साथी गिरफ्तार, फॉरच्यूनर कार बरामद

**जोधपुर,** (कासं)। लोहावट पुलिस ने नाकाबंदी तोड़ने और राजकार्य में बाधा डालने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान घटना में प्रयुक्त एक फॉरच्यूनर गाड़ी भी जब्त की गई है। इस बीच इनामी अपराधी मौके से भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस को 20 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि जाम्बा थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित और 10 हजार रुपए का इनामी अपराधी सोढादड़ा निवासी विकास उर्फ रॉक स्टार एक फॉरच्यूनर गाड़ी में तीन-चार अन्य लोगों के साथ पीलवा से लोहावट की ओर आ रहा है। इस सूचना पर लोहावट पुलिस और फलोदी जिला विशेष टीम ने लोहावट-पीलवा सड़क पर नाकाबंदी की। संदिग्ध फॉरच्यूनर गाड़ी को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और नाकाबंदी तोड़कर भागने लगा।

पुलिस ने पीछा किया तो गाड़ी कुछ दूरी पर अनियंत्रित होकर एक गड्ढे में गिर गई। गाड़ी में सवार इनामी अपराधी और अन्य लोग भागने लगे। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की कर राजकार्य में बाधा डाली।

इस बीच इनामी अपराधी मौके से भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने राजकार्य में बाधा डालने के आरोप में दिनेश, हड़मान और ईश्वर निवासी ग्रडिया को गिरफ्तार किया है। घटना में काम में ली गई फॉरच्यूनर गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है।

## अजमेर से 11 त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

**अजमेर,** (कासं)। रेलवे द्वारा दीपावली, छठ पूजा और त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रबंध किए गए हैं। अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। अजमेर से संबंधित कुल 29 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें बुधवार को 11 त्यौहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन अजमेर स्टेशन से किया गया। संचालित होने वाली स्पेशल ट्रेनों में हिसार-वलसाड स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 20:00 बजे, अजमेर-भिवानी स्पेशल अजमेर स्टेशन से 5:30 बजे, जयपुर-मैसूर स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 6:10 बजे, साबरमती-हरिद्वार स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 16:00 बजे, साबरमती-पटना अजमेर स्टेशन पर 1:55 बजे, शकूरबस्ती-ओखा स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 21:20 बजे, अजमेर-सोलापुर स्पेशल अजमेर स्टेशन से 9:00 बजे, जयपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल अजमेर स्टेशन से 18:05 बजे, साबरमती -बेगूसराय अजमेर स्टेशन पर 21:00 बजे, बेगूसराय-साबरमती अजमेर स्टेशन पर 19:05 बजे, मदार जंक्शन-रोहतक स्पेशल मदार जंक्शन से 4:30 बजे शामिल है।

# बीकानेर में आतिशबाजी से 100 से ज्यादा लोग झुलसे

**बीकानेर,** (निसं)। यहां दीपावली के दौरान आतिशबाजी करते हुए 100 से ज्यादा लोग झुलस गए। हालांकि कोई भी गंभीर रूप से नहीं झुलसा, ऐसे में किसी को भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी। पीबीएम अस्पताल में डॉक्टर्स की टीम चौबीस घंटे तैनात रही, वहीं मारवाड़ जन सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने भी झुलसे हुए लोगों के इलाज के लिए विशेष इंतजाम किए।

- **किसी को गंभीर स्थिति में अस्पताल में नहीं लाना पड़ा, वहीं पोटाश की चपेट में आने से तीन जने घायल हो गये**
- **पीबीएम अस्पताल में डॉक्टर्स की टीम चौबीस घंटे तैनात रही**

समिति के संचालक रमेश व्यास ने बताया कि पिछले दो दिन में बीकानेर के अनेक क्षेत्रों में आतिशबाजी करते हुए सौ से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कोई सामान्य झुलसा तो कोई थोड़ा ज्यादा, लेकिन किसी को गंभीर स्थिति में अस्पताल में नहीं लाना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह हल्की आग भी लगी, लेकिन कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया।

पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में 3 दिन लगातार मारवाड़ जनसेवा समिति ने सेवाएं दी। लगभग तीन दिनों में 80 लोग पटाखों से जलकर ट्रोमा सेंटर पहुंचे। वहीं कुछ लोग जिला अस्पताल और आसपास के अस्पतालों में भी पहुंचे। समिति सदस्यों को डॉक्टर और अस्पताल प्रशासन ने सहयोग किया। ज्यादातर लोग अनार और चकरी से जले थे। तीन लोग पोटाश की चपेट में आने से झुलस गए, जिनका इलाज हाथों हाथ ट्रोमा सेंटर में कराया गया। शरीर के कई हिस्सों में पोटाश के कारण आग लगी। समिति की ओर से अस्पताल में रमेश व्यास, मुनीराम सोनी, चंदन ठाकुर, महेंद्र सांवरिया, महेंद्र ढाका, कालू पांडे आदि ने सहयोग दिया।

## पटाखों की चिंगारियों से आग लगी

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। दीपावली के त्योहार के बीच पटाखों से आगजनी की घटनाएं सामने आई है। पटाखों की चिंगारियों से यह आगजनी हुई है।

जिले के श्रीविजयनगर कस्बे के गांधी पार्क में सोमवार रात करीब 12 से 1 बजे के बीच कचरे के ढेर में अचानक भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इलाके में धुएं से घुटन की स्थिति बन गई थी।

आस-पास के ग्रामीणों ने बताया कि दिवाली के पटाखों के अवशेषों के कारण कचरे में सुलगती चिंगारी ने आग को भड़काया। गांधी पार्क के पास ही स्थित ग्राम 32 जीबी में भी इसी तरह की छोटी-मोटी आगजनी की घटना देखने को मिली। जहां सूखे पत्तों और कचरे में आग फैलने लगी थी। फायर ब्रिगेड ने समय पर पहुंचकर बड़ा हादसा टाल दिया।

जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, मैं उससे खुश नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सके। एक कप्तान के रूप में मैं हमारे खेलने के तरीके से खुश नहीं हूं। - **चमारी अटापट्टू**

**श्रीलंकाई महिला क्रिकेट खिलाड़ी, अपनी टीम के प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी** — **नीरज चोपड़ा**



**ओलंपिक** पदक विजेता खिलाडी नीरज चोपडा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गयी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नीरज को इसके लिए बधाई दी है नीरज को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया के जरियें तस्वीरें शेयर करते हुये लिखा,भारत के उत्कृष्ट खिलाडी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपडा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद का प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

**क्या आप जानते हैं ?...** दोनों टीमों के बीच अभी तक 153 मैच खेले गए हैं। इसमें भारत ने 58 मैच जीते हैं, जबकि 85 में उसे हार मिली है।

# पहले वनडे की हार भुलाकर बराबरी के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

एडिलेड, 22 अक्टूबर। भारत के लिए कमर कसने का समय आ गया है। यह एडिलेड है, यह ऑस्ट्रेलिया है, और यह मेहमान टीम है जो पर्थ में मिली हार के बाद मुश्किल में है - सात विकेट गिरे, स्कोर पर मुश्किल से 136 रन, और पारी 30 ओवर से भी कम समय में समाप्त हो गई। बहुत कम टीमें इस तरह क्रिकेट जीत पाती हैं। अब, चुनौती इस निराशा को भुलाकर कल एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे वनडे में मजबूत वापसी करने की है।

पहले मैच में शानदार जीत के बाद, सीरीज का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है, लेकिन यह पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है। कप्तान मिचेल मार्श ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, जबकि जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क की तेज गेंदबाज जोड़ी ने शुरुआत में ही ऐसी बढ़त बना ली जिससे भारत कभी उबर नहीं पाया।

मेहमानों के लिए, समीकरण सरल है: शीर्ष क्रम - रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल - को सीरीज को ज़िंदा रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उनका सामूहिक रूप भारत के लिए इस सतह पर वापसी की कुंजी है, जहां से दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में आने से पहले शुरुआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है।

भारत के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना नहीं दिख रही है, लेकिन गेंदबाजी संयोजन को लेकर सवाल बने हुए हैं। बाएं हाथ के कलाई स्पिनर कुलदीप यादव पर्थ में टीम से बाहर रहे थे। हालांकि



अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर जिन्हें ऑलराउंड क्षमता के कारण प्राथमिकता दी गई थी दोनों ने अच्छी गेंदबाजी की और तीन में से दो विकेट हासिल किए।

एडिलेड ओवल की छोटी बाउंड्री के कारण स्पिनरों के लिए चुनौती भरा माहौल रहता है, जिससे भारतीय टीम प्रबंधन के लिए यह एक दिलचस्प फ़ैसला बन जाएगा। प्रसिद्ध कृष्णा की नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता उन्हें हर्षित राणा पर बढ़त दिला सकती है, जो पर्थ में संघर्षरत दिखे थे। रोहित के साथ स्टार्क की नई गेंद की जंग शुरुआती आकर्षण का केंद्र होगी, क्योंकि बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज़ एडिलेड की स्विंग के अनुकूल हवा का फ़ायदा उठाने की कोशिश करेगा। लंबे ब्रेक के बाद कोहली की सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में वापसी से रोमांच और बढ़ गया है, जबकि गिल का संयम पारी को स्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा।

एडिलेड ओवल में अपने पिछले सात वनडे मैचों में से पांच में जीत हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया के बिना किसी बदलाव के मैदान पर उतरने की उम्मीद है। उनका संतुलन, गहराई और घरेलू फ़ायदा उन्हें स्पष्ट बढ़त प्रदान करता है। हालांकि, भारत विविधता लाने के लिए स्पिनर कुलदीप यादव को उतार सकता है, जबकि मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नई गेंद की जोड़ी के रूप में बने रहेंगे। एडिलेड में पिछले पांच वनडे मैचों में से चार में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है, इसलिए टॉस निर्णायक साबित हो सकता है। क्रिकेट के लिए परिस्थितियाँ आदर्श बनी हुई हैं - आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तापमान लगभग 15 डिग्री सेल्सियस रहेगा और बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया को पसंदीदा माना जा रहा है। फिर भी, भारत के शीर्ष क्रम की मजबूत शुरुआत दूधिया रोशनी में होने वाले इस बेहद रोमांचक मुकाबले में गति बदल सकती है।

### पिच और परिस्थितियां

मैच से पहले एडिलेड में बारिश हुई है और साका ग्राउंड स्टाफ ने विकेट को सुखाने के लिए यूवी लाइट्स का इस्तेमाल किया है। राहत की बात यह है कि गुरुवार को बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि मौसम ठंडा और बादलों से ढका रहने की उम्मीद है। एडिलेड ओवल बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग माना जाता है क्योंकि विकेट के स्क्वायर बाउंड्री छोटी हैं।

**टीमें: भारत (संभावित एकादश ):** रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

**ऑस्ट्रेलिया (संभावित एकादश ):** ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेट कीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिशेल ओवेन, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनेमैन, जोश हेजलवुड।

## ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया

इंदौर 22 अक्टूबर। ऐनाबेल सदरलैंड (तीन विकेट/नाबाद 98 ) और एशले गार्डनर ( दो विकेट/ नाबाद 104) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने बुधवार को महिला एकदिवसीय विश्वकप के 23वें मुकाबले में इंग्लैंड को 57 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्ल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट 244 का स्कोर बनाया। इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने 105 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 78 रन की पारी खेली। उनके अलावा एलिस कैप्सी (38) और चार्ली डीन (26) ने उपयोगी योगदान देते हुए टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड ने तीन विकेट लिए। एशले गार्डनर और सोफी मोलिन्यू को दो-दो विकेट मिले। अलाना किंग ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 245 रनों के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिए थे। फीबी लिचफील्ड (एक) जॉर्जिया वॉल (छह), ऐलिसा पेरी (13) और बेथ मूनी (20) रन बनाकर आउट हुई ऐसे संकट की घड़ी में सदरलैंड और गार्डनर ने 180 रनों की शतकीय साझेदारी करते हुए टीम को 40.3 ओवरों में 248 का स्कोर कर जीत दिला दी। ऐनाबेल सदरलैंड ने 112 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 98) रन बनाये। एशले गार्डनर ने 73 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए नाबाद 104 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से लिंसी स्मिथ ने दो विकेट लिये। लॉरेन बेल और सोफी एकल्सटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## आर.के. चतुर्वेदी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 29 से शुरु

जयपुर, 22 अक्टूबर। जयपुर के स्थानीय क्रिकेट ग्राउण्ड रेलवे गणपति नगर में 29 अक्टूबर 2025 से आर.के. चतुर्वेदी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें भाग ले रही है। जिसमें आर.के. चतुर्वेद्धी के संचालक अखिलेश चतुर्वेदी ने बताया कि यह टूर्नामेंट रंगीन पोशाक मे एवं सफेद बोल से खेला जायेगा और 51000/- रू. विनर को नगद पुरूस्कार दिया जायेगा तथा रनर अप को 21000/- की नगद राशि पुरुस्कार दिया जायेगा। इस टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम तीन लीग मैच खेलेगी।

## मदारा और इस्मत को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगी फटकार

दुबई, 22 अक्टूबर। अफगानिस्तान के खिलाड़ी इस्मत आलम को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस्मत को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन करते पाया गया, जो 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित और/या खतरनाक तरीके से गेंद फेंकने' से संबंधित है। 24 महीने में उनका पहला अपराध देखते हुए उन्हें फटकार लगाई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।

**आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर श्रीलंका की मदारा को लगी फटकार :** श्रीलंका की मल्की मदारा को बंगलादेश के खिलाफ महिला क्रिकेट विश्व कप लीग मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मदारा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए 'आक्रामक प्रतिक्रिया' आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन का दोषी पाया। इसके लिए मदारा को फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में उनका यह पहला अपराध था।

## पाकिस्तान के नोमान अली आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

दुबई, 22 अक्टूबर। पाकिस्तान के नोमान अली ने लाहौर में दक्षिण अफ्रीका पर 93 रनों की जीत में अपने मैच विजयी प्रदर्शन के बाद नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गये है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाज नोमान अली ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है और नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी बढ़त हासिल करने के बाद जसप्रीत बुमराह के वर्तमान नंबर वन स्थान के करीब पहुंच गए हैं। नोमान ने हाल ही में लाहौर में दक्षिण अफ्रीका पर पाकिस्तान की 93 रनों की जीत के दौरान 10 विकेट लिए थे और इसके परिणामस्वरूप टेस्ट गेंदबाजो की सूची में 853 रेंटिंग अंक के साथ चार स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में बुमराह से केवल 29 अंक पीछे हैं। उनके साथी शाहीन अफरीदी भी उसी मैच की दूसरी पारी में चार विकेट लेने के बाद तीन स्थान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर आ गए हैं।

## सेमीफाइनल में जगह के लिए भारतीय महिला टीम का न्यूज़ीलैंड से निर्णायक मुकाबला

मुंबई, 22 अक्टूबर। भारतीय महिला टीम और न्यूजीलैंड महिला टीम कल डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के एक बेहद अहम मुकाबले में आमने-सामने होंगी, जिससे सेमीफाइनल में जगह पक्की हो सकती है। दोनों टीमों के चार-चार अंक बराबर हैं, लेकिन भारत का नेट रन रेट 0.526 है, जबकि न्यूज़ीलैंड का -0.245 है। किसी भी टीम की जीत पूल स्टैंडिंग में नाटकीय बदलाव ला सकती है।

भारतीय महिला टीम इस मुकाबले में उतार-चढ़ाव भरे सफर पर उतर रही है। श्रीलंका और पाकिस्तान पर शानदार जीत के साथ शानदार शुरुआत करने के बाद, उन्हें तीन मैचों में मामूली हार का सामना करना पड़ा, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ एक दिल तोड़ने वाला मुकाबला भी शामिल है, जहां स्मृति मंधाना के 88 और हरमनप्रीत कौर के 70 रनों ने उन्हें लगभग जीत दिला दी थी। गेंदबाजी स्टार दीप्ति शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने पांच पारियों में 19.69 की औसत से 13 विकेट लिए हैं।

## अफगानिस्तान को पारी और 73 रनों से हराकर जिम्बाब्वे ने साल का दूसरा टेस्ट जीता

हरारे, 22 अक्टूबर। बेन करन के पहले टेस्ट शतक (121) के बाद रिचर्ड एन्गरावा (पांच विकेट) और ब्लेसिंग मुजारबानी (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर जिम्बाब्वे ने एकमात्र टेस्ट के तीसरे दिन बुधवार को अफगानिस्तान को पारी और 73 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ जिम्बब्वे ने 12 साल बाद घरेलू जमीन पर टेस्ट जीत दर्ज की है। यह इस साल की जिम्बाब्वे की दूसरी जीत है। अफगानिस्तान ने कल के दूसरी पारी में एक विकेट पर 34 रन आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में रहमानउल्लाह गुरबाज (नौ) के रूप में अफगानिस्तान का दूसरा विकेट गिरा। उन्हें टनका चिवंगा ने आउट किया। इसके बाद 18वें ओवर में रिचर्ड एन्गवारा ने इब्राहिम जदरान (42) को अपना शिकार बना लिया। कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी सात रन चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। बाहिर शाह और अफसर जजाई ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 49 रन जोड़े। 30वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने बाहिर शाह 32 रन को आउटकर अफगानिस्तान को बड़ा झटका दिया। बाहिर शाह ने अपनी पारी में 33 गेंदों का सामना किया और छह चौके लगाये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अफगानिस्तान के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर अपने विकेट गंवाते रहे। अफसर जजाई (18), इस्मत आलम (16), शराफउद्दीन अशरफ (नौ) रन बनाकर आउट हुये। 43वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने पहले खलील गुरबाज (छह) और फिर जियाउर रहमान (शून्य) को आउटकर अफगानिस्तान की पारी का 159 के स्कोर पर अंत कर मुकाबला पारी और 73 रनों से नाम कर लिया। जिम्बाब्वे के लिए रिचर्ड एन्गरावा ने पांच विकेट लिये और ब्लेसिंग मुजारबानी को तीन विकेट मिले। टनका चिवंगा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। अफगानिस्तान पहली पारी में 127 रन बनाये जिसके बाद जिम्बाब्वे ने पहली पारी में करन ने धैर्यपूर्वक 121 रनों की पारी खेली और सिकंदर रज़ा तथा ब्रैड इवांस ने भी योगदान 232 रनों की बढ़त हासिल की थी।

## वेस्टइंडीज ने रोमांचक सुपर ओवर जीतकर सीरीज बराबर की



ढाका, 22 अक्टूबर। रिशाद हुसैन का ऑलराउंड प्रदर्शन बेकार गया क्योंकि वेस्टइंडीज ने ढाका में बंगलादेश के खिलाफ दूसरा वनडे सुपर ओवर में जीतकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। शाई होप की 67 गेंदों में नाबाद 53 रनों की पारी अहम साबित हुई और वेस्टइंडीज ने स्कोर बराबर कर दिया, लेकिन अकील हुसैन ने सुपर ओवर में 11 रनों का बचाव करते हुए धैर्य बनाए रखा। जीत के लिए 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, वेस्टइंडीज ने पहले ही ओवर में ब्रैंडन किंग को शून्य पर गंवा दिया। हालांकि, एलिक अथानाज़े और कीसी कार्टी के बीच धीमी लेकिन स्थिर अर्धशतकीय साझेदारी ने वेस्टइंडीज की पारी को संभाल लिया। रिशाद ने दोनों बल्लेबाजों को पगबाधा आउट कर दिया और बीच के ओवरों में टीम का स्कोर 34वें ओवर तक 7 विकेट पर 133 रन हो गया। हालांकि, होप ने जस्टिन ठीव्स और होसेन के साथ मिलकर पारी को संभाला और दोनों के साथ क्रमश: 44 रनों की साझेदारी की, जिससे वेस्टइंडीज मैच के रोमांचक अंत की ओर बढ़ रहा था।

# द. अफ्रीका ने 94 रन पर झटके पाक के चार विकेट, कसा शिकंजा

रावलपिंडी, 22 अक्टूबर। सेनुरन मुथुसामी (नाबाद 89) और कगिसो रबाडा (71) की 10वें विकेट के लिए 98 रनों की बड़ी साझेदारी के बाद साइमन हार्मर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन स्टंप के समय पाकिस्तान की दूसरी पारी में 94 रन के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं।



आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने कल के चार विकेट पर185 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में 185 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका का पांचवां विकेट काइल वेरेन (10) के रूप में गिरा। उन्हें आसिफ अफरीदी ने आउट किया। इसके बाद अफरीदी ने ट्रिस्टन स्टब्स 76 को पगबाधा आउटकर पाकिस्तान को छठी सफलता दिलाई। साइमन हार्मर (दो) भी अफरीदी का शिकार बने। मार्को यानसन (12) को नोमान अली ने पगबाधा आउट किया। एक समय ऐसा लगा रहा था कि पाकिस्तान दक्षिण अफ्रीका जल्द आउटकर मैच में बढ़त हासिल कर लेगा। इसी दौरान केशव महाराज ने सेनुरन मुथुसामी के साथ नौवें विकेट के लिए 371 रनों की साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी कराई।

100वें ओवर में नोमान अली ने केशव महाराज (30) को स्टंप आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। पाकिस्तान को लगा मैच अब उसकी पकड़ में आया गया है। ऐसे समय में कगिसो रबाडा ने 61 गेंदों में 71 रनों की विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 71 रनों की बढ़त दिलाई। अफरीदी ने कगिसो रबाड़ा को आउटकर दक्षिण अफ्रीका की पारी का 404 रनों के स्कोर पर अंत किया। सेनुरन मुथुसामी 89 रन बनाकर नाबाद रहे।

## राजस्थान के मानव व खलील का इंडिया-ए टीम में चयन





जयपुर, 22 अक्टूबर। बीसीसीआई की घरेलू क्रिकेट सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के युवा गेंदबाज मानव सुथार व खलील अहमद का चयन इंडिया ए टीम में किया गया है। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावतके अनुसार बीसीसीआई चयन कमेटी ने अक्टूबर- नवंबर माह में दक्षिण अफ्रीका ए टीम के विरुद भारत में खेली जाने वालीमल्टी डेज सीरीज हेतु राजस्थान के युवा व प्रतिभावान गेंदबाज मानव सुथार व खलील अहमद का चयन भारतीय ए टीम में किया है।

# सब जूनियर बालक राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान टीम के रनंजय सिंह को कप्तान बनाया

जयपुर 22 अक्टूबर। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के तत्वाधान में 25 अक्टूबर से विवेकानंद मिशन आश्रम नारायणपुर छत्तीसगढ़ मे आयोजित की जा रही है । राजस्थान फुटबाल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत, ने बताया कि सब जूनियर बालक (14) फुटबॉल प्रतियोगिता के लिये सिविल लाइन स्थित होटल हरी महल पैलेस मे राजस्थान सब जूनियर टीम की घोषणा की गई एवं किट वितरण समारोह किया गया। समारोह मे अतिथि के रूप मे समाजसेवी उद्योगपति जीतेन्द्र सिंह (पचार ग्रुप) एवं राजस्थान



फुटबॉल संघ महिला विंग्स चेयरमैन रोशनी टाक, टेक्निकल हैड सतीश जांगिड़, कोऑर्डिनेटर अमर सिंह, भवानी सिंह भाटी, रविंदर शर्मा, सुमन राठौड़, एवं संटिआगो मौर्यासिओ बैज़, भी उपस्थित रहे। राजस्थान फुटबाल संघ दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान फुटबॉल टीम का कैंप विद्यानगर स्टेडियम जयपुर में विगत 12 दिन से चल रहा था ओर आज टीम 21 अक्टूबर को सुबह नारायणपुर छत्तीसगढ़ के लिये ट्रेन से रवाना हुई । राजस्थान का पहला मैच 25 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर, से 27 अक्टूबर को उत्तराखंड, से 29 अक्टूबर को तेलंगाना, से है किट वितरण और फोटो सेरेमनी समारोह के बाद अतिथियों ने राजस्थान फुटबॉल टीम को प्रतियोगिता के लिये अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गई। **राजस्थान टीम इस प्रकार है-** रनंजय सिंह ( कप्तान), कियान पुनिया, अरिन चौधरी, लवीनश, सूरज रावत, दीपांशु, शाहिद मलिक, सत्येंद्र, सूरज गरसा, अक्षित, समर प्रताप, इंजो सचिन, अर्जुन, गर्वित, माधव ( उपकप्तान), यश, दीपक, रूद्र प्रताप, समर्थ राज, करण प्रताप। टीम के कोच के रूप मे देवेंद्र सिंह भाटी को नियुक्त किया गया है असिस्टेंट कोच अवकाश दायमा को नियुक्त किया गया है मैनेजर विजेंद्र मिल को नियुक्त किया गया है।

## एशिया कप ट्रॉफी को लेकर आईसीसी बैठक में बीसीसीआई और पीसीबी के बीच टकराव की संभावना

*नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले महीने होने वाली बैठक में टकराव की स्थिति बन सकती है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख के तौर पर व्यक्तिगत रूप से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने के अपने रुख से पीछे नहीं हट रहे हैं। बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे गए जवाब में नकवी ने जोर देकर कहा है कि वह 10 नवंबर को दुबई में एक समारोह आयोजित करने के इच्छुक हैं, जहां बीसीसीआई का प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी ले सकता है। नकवी ने अपने जवाब में लिखा, ''एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और यह तब तक एसीसी मुख्यालय में रखी रहेगी जब तक बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता।'' उन्होंने कहा, ''इसके लिए भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा क्योंकि हमें स्थापित परंपराओं से नहीं हटना चाहिए और कोई भी ऐसी मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए जो उस खेल की भावना को कमजोर करे जिसे हम सभी प्यार करते हैं।'' आईसीसी के अध्यक्ष बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। नकवी का यह जवाब बीसीसीआई द्वारा एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर एसीसी को लिखे गए पत्र के बाद आया है। अफगानिस्तान और श्रीलंका के बोर्ड ने भी इस मामले में भारतीय बोर्ड का समर्थन किया है। इस प्रतिक्रिया से बीसीसीआई और पीसीबी के बीच अविश्वास और तनाव का स्तर स्पष्ट रूप से पता चलता है। नकवी ने अपने जवाब में कहा, ''जहां तक आपके पत्र के शेष भाग का सवाल है तो एसीसी अध्यक्ष का कार्यालय ऐसी तुच्छ राजनीति में शामिल नहीं होगा जिसका उद्देश्य चुनिंदा चरमपंथी समूहों को खुश करना हो।'' उन्होंने कहा, ''वास्तविक स्थिति यह है कि एसीसी कार्यालय या टूर्नामेंट निदेशक के साथ कभी भी ऐसा कोई आधिकारिक संवाद नहीं किया गया जिसमें पुरस्कार वितरण समारोह के संबंध में बीसीसीआई की स्थिति या चिंता को उजागर किया गया हो।'' नकवी ने कहा, ''जब समारोह शुरू होने वाला था और विशिष्ट अतिथि मंच पर अपना स्थान ग्रहण कर चुके थे, तभी बीसीसीआई के प्रतिनिधि ने बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप ट्रॉफी और पुरस्कार ग्रहण नहीं करेगी। इस गतिरोध को दूर करने के लिए प्रयास किए गए जिसके कारण समारोह में काफी विलंब हुआ।'' जवाब में कहा गया है, ''एसीसी अध्यक्ष ने प्रतिष्ठित अतिथियों के साथ लगभग 40 मिनट तक इंतजार किया ताकि पुरस्कार वितरण समारोह की अखंडता बनी रहे और राजनीति से उस पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, लेकिन यह प्रयास व्यर्थ रहा।'' पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि बोर्ड के कानूनी विभाग को पहले ही एक डोजियर तैयार करने का निर्देश दिया जा चुका है, ताकि अगर बीसीसीआई के अधिकारी आईसीसी बोर्ड की बैठक में नकवी की निंदा करने की कोशिश करें, तो उन्हें इसका जवाब दिया जा सके। बीसीसीआई पहले ही इस मामले को आईसीसी की बैठक में उठाने के संकेत दे चुका है।*

## हीली की अनुपस्थिति में मैकग्रा को ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

इंदौर, 22 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली पिंडलियों में तनाव के कारण इंग्लैंड के ख़िलाफ महिला विश्व कप मैच में नहीं खेलेंगी। उन्हें शनिवार को अभ्यास के दौरान यह चोट लगी थी। हालांकि यह उतनी गंभीर नहीं है।

टीम की उपकप्तानतालिया मैक्ग्रा उनकी अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि बेथ मूनी विकेट के पीछे दस्ताने संभालते नजर आएंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि हीली की चोट का शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ अंतिम लीग मैच से पहले आंकलन किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली नीत्स्के ने मैच से पहले हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''यह निराशाजनक है, लेकिन हमारे पास कुछ विकल्प हैं। जाहिर है कि यह हमारे लिए बड़ा नुकसान है। वह हमारी कप्तान हैं और उन्होंने दो लगातार शतक लगाए हैं। वह बल्ले से अच्छी फ़ॉर्म में हैं। लेकिन यह दो पहलुओं वाला मामला भी है। हम अपनी गहराई के बारे में बात करते हैं और इस मैच में इसे टेस्ट किया जाएगा। यह दूसरों को कुछ भूमिकाओं में आगे बढ़ने का मौक़ा देगा। यह आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन यही कारण है कि आप 15 खिलाड़ियों को लाते हैं ताकि ऐसी परिस्थितियों से निपटा जा सके।''

नीत्स्के ने कहा कि जॉर्जिया वॉल, हीली की जगह ले सकती हैं, लेकिन अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सोमवार को वॉल ने लंबा बल्लेबाजी अभ्यास किया। नीत्स्के ने कहा, ''वॉल ने पहले भी यह भूमिका निभाई है। हम आज बैठकर मैचअप सही करेंगे और अंतिम निर्णय लेंगे। लेकिन वह उपयुक्त विकल्प हैं।''

वॉल ने पिछले साल भारत के ख़िलाफ़ वनडे डेब्यू किया था और केवल दूसरे मैच में शतक लगाया था। वह डब्ल्यूपीएल में यूपी वॉरियर्ज़ के लिए खेली और उन्होंने आरसीबी के ख़िलाफ एक मैच में नाबाद 99 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले महीने भारत के ख़िलाफ दूसरे वनडे में अर्धशतक भी लगाया था।

## विराट कोहली की वापसी को पटरी से उतारने की ऑस्ट्रेलियाई योजना



एडिलेड, 22 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हाल ही में मिली सफलता की लय को बरकरार रखते हुए भारतीय दिग्गज विराट कोहली की वापसी को उनके सबसे शानदार मैदान पर बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में एडिलेड ओवल में आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे। इस महान भारतीय खिलाड़ी ने एडिलेड ओवल में सभी प्रारूपों में पाँच शतक लगाए हैं - जो उनके करियर में दुनिया के किसी भी मैदान से ज़्यादा है।

कोहली ने एडिलेड में चार अर्धशतक भी लगाए हैं, जहां उनका औसत 65 का है। लेकिन यह भारतीय धुरंधर यह जानते हुए एडिलेड लौट रहा है कि ऑस्ट्रेलिया पिछले रविवार को पर्थ में हुए सीरीज के पहले मैच की तरह ही उन पर दबाव बनाए रखेगा, जहां वह शून्य पर गली में कैच आउट हो गए थे।

इस आउट ने 36 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों द्वारा ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति को जारी रखा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट शॉर्ट ने मंगलवार को एडिलेड में पत्रकारों से कहा, ''मैं तेज़ गेंदबाज़ी मीटिंग में नहीं हूँ, लेकिन लगता है कि हाल ही में वह इसी तरह आउट हो रहे हैं।''

हॉफ (जोश हेज़लवुड) और स्टार्सी (मिशेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ी उनके खिलाफ काफ़ी गेंदबाज़ी कर चुके हैं, उन्हें पता है कि उन्हें क्या करना है। पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया, विकेट पर थोड़ी स्विंग और तेज़ी थी, इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे।

## 10वीं विश्व वुशू कुंगफू चैम्पियनशिप में जीते 2 पदक

जयपुर, 22 अक्टूबर। अंतर्राष्ट्रीय वुशू महासंघ के तत्वावधान में दिनांक 14 से 20 अक्टूबर 2025 तक इमिशान, चीन में आयोजित हुई, 10वी विश्व वुशू कुंगफु प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश व प्रदेश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया। जयपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अर्केश्वर मेडतवाल एवं रजत प्रकाश गुप्ता ने अपनी-अपनी श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कांस्य पदक अर्जित किए। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि अर्केश्वर मेडतवाल ने कुंगफू फैन कैटेगरी व रजत प्रकाश गुप्ता ने जिंगीक्वान कैटेगरी में अपने अद्भुत कौशल और अनुशासन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच राजेश कुमार टेलर व परिवार को दिया। कोच राजेश कुमार टेलर ने बताया कि खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम, समर्पण और लगन के साथ प्रतिदिन कठोर प्रशिक्षण लेकर इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया।

# इलैक्ट्रिक बस मैन्युफैक्चरर्स ने मुख्यमंत्री से मिलकर आभार जताया

## घिलोठ में बेहद कम समय में आवंटित भूमि पर शुरु में 1200 करोड़ का निवेश होगा

जयपुर 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट के लिए बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताने के लिए उनसे मिलने वालों में कंपनी के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आँचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी तथा प्लांट हैड हरीश यादव शामिल थे।**

*पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया।*

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट के लिए 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड़) भूमि का आवंटन किया है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मेक इन इण्डिया" संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के युवाओं को इलेक्ट्रो मोबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। ई-बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड हरीश यादव उपस्थित थे।

# बिलाड़ा में 3 साल की बच्ची के साथ बलात्कार

## घर के बाहर खेल रही बच्ची को कुरकुरे दिलाने के बहाने बाइक पर सुनसान जगह ले गया

जोधपुर, 22 अक्टूबर (कासं)। बिलाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह 3 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। घर के बाहर खेल रही 3 साल की बच्ची को युवक कुरकुरे दिलाने के बहाने बाइक पर ले गया। सुनसान जगह पर उसने बच्ची के साथ रेप किया। फिर उसे घर के बाहर छोड़कर फरार हो गया। घटना बिलाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है।

- **गंभीर हालत में बच्ची जोधपुर के अस्पताल में भर्ती। घटना के विरोध में कस्बे के बाज़ार बंद।**

बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिवार के लोग घर से बाहर आए। मासूम की हालत देखकर चौंक गए। घरवाले तुरंत बच्ची को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए उसे जोधपुर रेफर कर दिया।

इधर, घटना के विरोध में लोगों ने कस्बे में बाजार बंद करवा दिया। लोगों का कहना है कि ऐसे दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगे। परिजन और रिश्तेदार ने बिलाड़ा थाने पहुंचकर युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। बिलाड़ा डीएसपी पदमदान रतनू ने बताया कि घटना के संबंध में परिजनों से रिपोर्ट मिली है। इसके आधार पर बिलाड़ा थाने में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

डीएसपी पदमदान रतनू ने बताया कि आरोपी युवक भरतपुर जिले का रहने वाला है। वह पाली जिले में काम करता था। आरोपी के बारे में पीड़ित परिवार और अन्य ग्रामीणों से जानकारी जुटाकर उसकी तलाश में अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। पुलिस पूरी ताकत से आरोपी को पकड़ने के लिए प्रयासरत है।

# लोकपाल कार्यालय द्वारा 7 लग्ज़री बीएमडब्ल्यू खरीदने पर विवाद बढ़ा

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारत सरकार के लोकपाल कार्यालय की तरफ से सात (बीएमडब्ल्यू) लग्ज़री कारों की खरीद के लिए निविदा जारी करने पर कांग्रेस ने सवाल उठाये हैं।

- **कांग्रेस ने बीएमडब्ल्यू खरीद की निविदा पर सवाल उठाए और कहा, लोकपाल ने अब तक कौनसी जांच की है यह भी बताया जाए**
- **कांग्रेस नेता पी चिदम्बरम ने कहा, जब सुप्रीम कोर्ट के जज को साधारण सेडान कार दी जाती है तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू क्यों चाहिए।**

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण अब एक शॉकपाल बन गया है। रमेश ने लोकपाल की कार्यवाही पर सवाल उठाये और लोकपाल द्वारा की गयी जांच और गिरफ्तारियों के बारे में भी सवाल पूछें।

उन्होंने कहा, लोकपाल अब लोकपाल नहीं रहा। यह शोकपाल और शॉकपाल हो गया है।

अन्ना हजारे, अरविंद केजरीवाल, इंडिया अगेंस्ट करप्शन और आरएसएस ने 2012 और 2013 में लोकपाल के महत्व पर जोर देते हुए खूब प्रचार किया था।

अब जरा लोकपाल के कार्यों पर ही नजर डालिए। लोकपाल ने कौन सी जांच शुरू की है? उन्होंने किन लोगों को गिरफ्तार किया है?

रमेश से पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम भी ही उन्होंने उम्मीद जतायी कि लोकपाल कार्यालय के कुछ सदस्य इन लक्जरी कारों का उपयोग करने से बचेंगे।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को साधारण सेडान कारें मिलती हैं, तो लोकपाल के चेयरमैन और छह सदस्यों को बीएमडब्ल्यू कारों की आवश्यकता क्यों है? इन कारों को खरीदने के लिए जनता का पैसा क्यों खर्च किया जाए? .

इन कारों के लिए निविदा जारी करने पर विरोध जता चुके हैं।

चिदंबरम ने कहा कि यहां तक कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को भी साधारण सेडान कारें उपलब्ध करायी जाती हैं। साथ

# विश्व के ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

से हीरे जड़े हैं, जिनमें पन्ना भी लगा है। संग्रहालय और विशेषज्ञ मानते हैं कि इन आभूषणों को फिर से प्राप्त करने की उम्मीदें लगभग नगण्य हैं।

आभूषण को तोड़कर कीमती धातुओं को पिघलाना है और रत्नों को निकाला जाना आसान है। यदि इन चुराए गए आभूषणों को बेचा जाता है, तो इन्हें पहचान पाना मुश्किल होगा।

आजकल के नवधनाढ्य भारत में कीमती रत्नों की दीवानगी बहुत ज्यादा है। ऐसे में अवैध रास्तों या भूमिगत चैनलों के माध्यम से देश में पहुँच सकते हैं, पूरी तरह से गुप्त रूप से। जयपुर, जो आभूषण निर्माण की कला का प्रमुख केन्द्र है, अनजाने में इन आभूषणों को नया रूप देने का जरिया बन सकता है।

प्रसिद्ध आभूषण और रत्नों को अजीब तरीकों से नया रूप दिया जाता है। उदाहरण के लिए कोहिनूर को देखें, जिसे पहले गोलकोंडा की एक खदान में पाया गया था, फिर विभिन्न रूपों में बदलते हुए पंजाब के राजा महाराजा रणजीत सिंह के पास पहुँच गया।

ब्रिटिश क्राउन प्रिंस अल्बर्ट द्वारा बुरी तरह से अपूरणीय क्षति पहुँचाए जाने तक इसके कई घर बदले। प्रिंस अल्बर्ट द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने से महाराजा रणजीत सिंह के वंशज दलीप सिंह, जो ब्रिटेन में बंदी थे, नाराज़ हो गए, जब उन्हें हीरा स्मृति के रूप में रखने को दिया गया तो उन्होंने गुस्से में यह हीरा ब्रिटिश राज परिवार को ही दे दिया।

दलीप सिंह की नाराज़गी के बाद, कोहिनूर ब्रिटिश शाही परिवार के ताज आभूषणों का हिस्सा बन गया।

# छः दिन में चौथी बार ट्रंप ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेगा।"

इससे पहले, ट्रंप ने वाइट हाउस में अपने बयान में कहा, "मैं भारतीयों को पसंद करता हूँ। हम अपने देशों के बीच कुछ शानदार सौदों पर काम कर रहे हैं। मैंने आज प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमारे रिश्ते बहुत अच्छे हैं। वह रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। वह युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं, जैसा कि मैं भी चाहता हूँ। वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त होते देखना चाहते हैं।" "वह अब बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेंगे। तो उन्होंने बहुत कम कर दिया है, और वे इसे लगातार कम करते जा रहे हैं।

कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए मंगलवार को कहा कि ट्रंप ने पिछले पांच दिनों में तीन बार भारत के रूस से तेल आयात पर सवाल उठाए हैं, और उन्होंने "विदेश मंत्रालय के किसी भी इनकार को नजरअंदाज़ किया" जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने रूस से तेल आयात रोकने का वादा किया था।

विपक्षी पार्टी के इस दावे के बाद ट्रंप ने कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदता रहा, तो उसे भारी शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा और साथ ही उन्होंने यह भी दोहराया कि प्रधानमंत्री मोदी से उन्हें आश्वासन मिला है कि नई दिल्ली रूस से तेल खरीदारी रोक देगा।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी "मौनी बाबा" बन जाते हैं, जब ट्रंप यह कहते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को बंद कर दिया या कि भारत रूस से तेल आयात घटाएगा।

भारत ने पहले कहा था कि वह "अपनी ऊर्जा आपूर्ति को विस्तारित और विविधीकृत" कर रहा है ताकि बाजार की स्थितियों के अनुसार इसे बेहतर तरीके से संभाल सके।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल, ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस प्रकार की कोई फोन बातचीत का पता नहीं है, और यह कि भारत का तेल आयात भारतीय उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए "अस्थिर" ऊर्जा परिदृश्य में तय किया जाता है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री मोदी "ट्रंप से डरते हैं" और लगता है कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को महत्वपूर्ण फैसले सौंप दिए हैं।

विपक्षी पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार की विदेश नीति "पूरी तरह से विफल" हो चुकी है और केंद्र को विपक्षी नेताओं को विश्वास में लेने के लिए या तो एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए या उनसे व्यक्तिगत रूप से बात करनी चाहिए।

वॉशिंगटन ने यह दावा किया है कि भारत रूस से तेल खरीदकर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए वित्तीय मदद दे रहा है।

नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच संबंधों में उस समय तनाव बढ़ गया था, जब ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था, जिसमें रूस से भारतीय तेल आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल था।

भारत ने अमेरिकी कदम को "अन्यायपूर्ण, अस्वीकृत और निरर्थक" करार दिया।

इस बीच, ट्रंप ने मंगलवार को वाइट हाउस में दीवाली समारोह में भाग लिया और भारतीयों और भारतीय-अमेरिकियों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

प्रारंभिक टिप्पणी में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें "महान व्यक्ति" और "महान दोस्त" कहा और व्यापार और क्षेत्रीय शांति में अमेरिका-भारत संबंधों को उजागर किया।

ट्रंप ने कहा, "दीवाली के इस अवसर पर, हम दिया जलाएंगे, जो प्रकाश की अंधकार पर विजय, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा कि दिए की लौ हमें "ज्ञान के मार्ग का अनुसरण करने, कठिनाई से काम करने और हमारे कई आशीर्वादों के लिए हमेशा आभार व्यक्त करने की याद दिलाती है।"

इसके बाद ट्रंप ने वाइट हाउस में दीवाली के अवसर पर दीये जलाए।

वाइट हाउस में यह कार्यक्रम ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ, जिसमें एफबीआई निदेशक काश पटेल, ओडीएनआई निदेशक तुलसी गब्बार्ड, व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव कुश देसाई, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोरे शामिल थे।

# बिहार में महागठबंधन ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

नरकटियागंज विधानसभा क्षेत्र से राजद के दीपक कुमार कांग्रेस के शास्वत केदार के सामने चुनावी मैदान में खड़े हैं।

वाम दलों को कुल 33 सीटें दी गई थीं, लेकिन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने कांग्रेस को टक्कर देते हुये चार जगहों पर अपने उम्मीदवार उतार दिये हैं।

करगहर विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के महेंद्र गुप्ता कांग्रेस के संतोष कुमार मिश्रा के खिलाफ, बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के शिव प्रकाश यादव कांग्रेस के ओमैर खान के खिलाफ, राजापाकड़ (सु) विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के मोहित पासवान कांग्रेस की प्रतिमा कुमारी के खिलाफ और बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के अवधेश कुमार राय कांग्रेस के शिव प्रकाश गरीब दास के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

महागठबंधन में मिली 15 सीटों के बावजूद, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के दो उम्मीदवार सीधे तौर पर राजद के सामने खड़े हो गये हैं। चैनपुर विधानसभा क्षेत्र से वीआईपी के बाल गोविंद राजद के ब्रज किशोर बिंद के खिलाफ और बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र से वीआईपी के बिंदु गुलाब राजद के अरुण कुमार सिंह के खिलाफ बतौर प्रत्याशी अपनी दावेदारी कर रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जिस गठबंधन का उद्देश्य भाजपा के खिलाफ एकजुट विपक्ष खड़ा करना था, वह खुद 'प्रतिस्पर्धी से प्रतिद्वंदी' बन चुका है। बिहार की राजनीति में यह तय हो चुका है कि महागठबंधन के लिये यह चुनाव सिर्फ विरोधियों से नहीं, अपनों से भी है।

महागठबंधन में आधिकारिक रूप से सीट बंटवारे के तहत राजद को 143, कांग्रेस को 61, वामदल को 33, वीआईपी को 15 और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी) को 3 सीट मिली थी।

# वाराणसी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

रूप से आगमन कक्ष (एराइवल हॉल) में ले जाया गया है। तकनीकी टीम वर्तमान में विमान की जांच और मरम्मत में जुटी है।

# संजय अग्रवाल ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

महानिदेशक, पुलिस हाऊसिंग, डॉ. बी.एल.मीणा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात राजस्थान, लता मनोज माथुर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सिविल राइट्स, एंटी हयूमन ट्रैफिकिंग एंड कम्यूनिटी पुलिसिंग जयपुर, प्रफुल्ल कुमार को महानिरीक्षक पुलिस इंटीलेजेंस राजस्थान जयपुर, एच.जी. राघवेन्द्र सुहासा को महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज, राहुल प्रकाश को विशेष आयुक्त (ऑपरेशन्स) पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, डॉ. रवि को महानिरीक्षक पुलिस आयोजना, आधुनिकीकरण और कल्याण राजस्थान के पद पर लगाया है।

इसी तरह सत्येन्द्र कुमार को महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान, डॉ. रामेश्वर सिंह को उप महानिरीक्षक पुलिस ए.सी.बी. ब्यूरो. प्रथम जयपुर, डॉ. राजीव पचार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, प्रहलाद सिंह कृष्णिया को उप महानिरीक्षक पुलिस अपराध शाखा जयपुर, अरशद अली को उप महानिरीक्षक पुलिस कानून एवं व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, ज्ञानचंद्र यादव को पुलिस अधीक्षक द्वितीय ए.टी.एस. जयपुर के पद पर लगाया है।

इसी प्रकार अमित जैन को प्राचार्य राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर, विशाल जांगिड़ को सहायक पुलिस अधीक्षक वृत श्रीगंगानगर, अनुष्ठा कालिया को सहायक पुलिस अधीक्षक बीकानेर सदर के पद पर लगाया है।

# महागठबंधन के प्रचार अभियान में तेजी आई

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से प्रचार अभियान की तैयारियां तेज हो गयी हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने अपने स्टार प्रचारकों कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के जनसभा कार्यक्रम को लेकर अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार छठ के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा बिहार में प्रचार शुरू करेंगे और इसे देखते हुए दोनों नेताओं के चुनाव प्रचार कार्यक्रम तय किये जा रहे हैं। महागठबंधन में संयुक्त रैलियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा हैं।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि गांधी की पहली चुनावी सभा छठ पर्व के बाद आयोजित की जाएगी। वह उत्तर बिहार के किसी बड़े जिले से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। पार्टी की रणनीति के अनुसार गांधी पहले चरण के चुनाव में ऐसे इलाकों में जनसभाएं करेंगे जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। इसके साथ ही वह मौजूदा कांग्रेस विधायकों के क्षेत्र में प्रचार करने भी उतरेंगे।

उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण जिलों से गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की रैलियों और रोड शो से प्रचार अभियान में रफ्तार आएगी और जनता तक पार्टी का संदेश बेहतर तरीके से पहुँचेगा।

चुनाव प्रचार के लिये प्रियंका गांधी वाड्रा की रैली और रोड शो तय किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वह महिलाओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जनसभाओं को संबोधित करेंगी। वह बिहार में महिलाओं से जुड़े मुद्दों, महिला सशक्तिकरण, मानदेय, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा समेत कई मुद्दों को उठा सकती हैं।

- **छठ पर्व के बाद बिहार में राहुल-प्रियंका का प्रचार शुरु होगा**
- **राहुल गांधी पहले उन क्षेत्रों में प्रचार करेंगे जहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है।**
- **महागठबंधन की तरफ से संयुक्त रैलियां भी की जाएंगी।**

# गत दो दशकों से बिहार ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

जदयू जहाँ अपने परंपरागत आधार को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, भाजपा उसी जमीन पर अपने कदम जमा रही है। भाजपा की पिछली रणनीतियाँ देखकर बहुत लोग मानते हैं कि वह धीरे-धीरे अपने सहयोगियों का वोटबैंक समेट लेती है और अंततः उन्हें अपने भीतर मिला लेती है, वैसा ही अब जदयू के साथ भी हो सकता है।

2025 के एनडीए सीट बंटवारे में भाजपा और जदयू, दोनों को 243 में से 101-101 सीटें मिली हैं। लेकिन इतनी हिस्सेदारी के साथ जिम्मेदारी भी बड़ी आई है।

भाजपा की सबसे प्रमुख चाल सम्राट चौधरी को लेकर है, जो कुशवाहा समुदाय से आते हैं। पार्टी उन्हें संभावित मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में पेश कर रही है, जिससे एन.डी.ए. के भीतर इस समुदाय की उम्मीदें जिंदा रहें।

यह क्यों अहम है? क्योंकि बिहार में कुशवाहा समुदाय 4.21 प्रतिशत और कुर्मी समुदाय 2.87 प्रतिशत है। नीतीश कुमार खुद कुर्मी हैं, लेकिन 1994 की "कुर्मी एकता रैली" के बाद से ही कुर्मी-कुशवाहा, यानी "लव-कुश" गठजोड़ नीतीश के पीछे लामबंद होते रहे हैं। जहाँ कुमार ने लालू यादव द्वारा ओबीसी पदानुक्रम में यादवों को शीर्ष पर रखने की प्राथमिकता पर अपना असंतोष व्यक्त किया था।

हालांकि नीतीश कुमार स्वयं कुर्मी समुदाय के हैं, फिर भी यह मौन सहमति बनी थी कि उनके कुशवाहा समुदाय से किसी नेता को प्राथमिकता दी जाएगी। इसलिए कुशवाहा वोट अब उस नेता के लिए अहम है जो नीतीश की राजनीतिक विरासत संभालना चाहता है।

भाजपा ने सम्राट चौधरी को तारापुर से, जो उनके पिता की पुरानी सीट है, टिकट देकर यह संकेत दिया है कि वह इस वोटबैंक को अपने साथ लाना चाहती है। भले ही चौधरी का प्रशासनिक अनुभव नीतीश जितना न हो, लेकिन भीजपा उन्हें पूरा समर्थन देकर कुशवाहा मतदाताओं को साध सकती है, खासतौर पर प्रशांत किशोर के बढ़ते प्रभाव के बीच।

लेकिन दिक्कत यह है कि प्रशांत किशोर ने लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंसों के ज़रिए चौधरी की छवि को नुकसान पहुंचाया है। साथ ही भाजपा का पारंपरिक कार्यकर्ता वर्ग बाहरी नेताओं को पसंद नहीं करता, और उसे आज भी याद है कि चौधरी के पिता ने एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी थी।

इससे "प्लान बी" की गुंजाइश बनती है। उपेंद्र कुशवाहा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष भी कुशवाहा समुदाय से हैं और उनकी छवि नीतीश जैसी है, ईमानदार, शिक्षित, संगठन पर केंद्रित और बिहार-हितैषी।

वे अपने लचीले लेकिन सिद्धांतनिष्ठ रुख के लिए जाने जाते हैं और कठिन दौर में भी संयम दिखाने के कारण भाजपा नेतृत्व का भरोसा जीत चुके हैं। इस भरोसे से यह संभावना बनती है कि वे अपनी पार्टी को भाजपा में मिला दें और समुदाय का चेहरा बन जाएं।

हालांकि यह एक दूरदर्शी अनुमान है, लेकिन दो बातें इसे मजबूत करती हैं, पहली, सम्राट चौधरी पर किशोर के हमले; दूसरी, भाजपा का इतिहास, जो बताता है कि वह अंतिम क्षणों में चौंकाने वाले निर्णय लेती है और अक्सर ऐसे उम्मीदवारों को चुनती है जो विशेषज्ञों की शॉर्टलिस्ट में भी नहीं होते। भाजपा की दूसरी बड़ी चुनौती, "अतिपिछड़ा वर्ग (ई.बी.सी.)" के 36 प्रतिशत मतदाताओं को अपने साथ बनाए रखना है। नीतीश और मोदी की कल्याण योजनाओं ने इन वर्गों में अच्छी छाप छोड़ी है, लेकिन राज्य इकाई ने ई.बी.सी. मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए बहुत कम प्रयास किए हैं।

नीतीश कुमार के अलावा प्रधानमंत्री मोदी एक लोकप्रिय नाम बने हुए हैं, लेकिन दोनों नेताओं की कल्याणकारी योजनाएं अपनी राजनीतिक उपयोगिता समाप्त होने के कगार पर है। इससे भाजपा के लिए यह चुनौती और कठिन हो जाती है।

एक नए चेहरे को पेश करने के साथ -साथ भाजपा को यह बताना होगा कि केंद्र सरकार की योजनाएं कैसे खास समुदायों के लिए फायदेमंद हैं। जैसे जब किसी योजना का फायदा सैनिकों को मिलता है तो उसे जाट समुदाय के हित में बताया जाता है, उसी तरह योजनाओं को ईबीसी समुदाय के लिए प्रचारित किया जा सकता है।

ईबीसी चेहरे के रूप में भाजपा के पास फिलहाल हरी सहनी हैं, जिनका प्रदर्शन ठीक रहा है, पर उनका प्रभाव सीमित है। इसलिए पार्टी संभवतः मुकेश सहनी की पार्टी को अपने में मिलाने की कोशिश कर सकती है। मुकेश खुद को "मल्लाहों का बेटा" नहीं, बल्कि "ईबीसी का बेटा" कहकर व्यापक पहचान बनाने की कोशिश में हैं और उपमुख्यमंत्री पद की आकांक्षा भी रखते हैं।

जदयू के भीतर भी कई नेता, जैसे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा (जो कभी अरुण जेटली के करीबी रहे हैं), "भाजपा का आदमी" कहे जाते हैं। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा जल्द ही जदयू को पूरी तरह पीछे छोड़ सकती है।

जदयू दोहरे संकट से गुजर रही है, एक तरफ उसका पारंपरिक वोट बैंक कमजोर हो रहा है, दूसरी तरफ नेतृत्व का अभाव पार्टी को तोड़ सकता है।

जातिगत गणित के अलावा जद (यू) को एक आसन्न नेतृत्व संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पार्टी पिछड़े वर्गों की प्रतिनिधि होने का दावा करती है, लेकिन फैसलों में ऊपरी जातियों के नेताओं, ललन सिंह, संजय झा, सम्राट चौधरी और विजय चौधरी, का दबदबा बढ़ गया है। जदयू का मूल कार्यकर्ता वर्ग इस ऊपरी जाति वर्चस्व से नाराज़ है। खासकर इसलिए क्योंकि, इन चार नेताओं में से तीन उच्च जाति पृष्ठभूमि से आते हैं, जबकि जद (यू) का अस्तित्व पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने के कारण है।

भीतरी कलह के चलते कई शिक्षित और सक्षम नेताओं को हाल के वर्षों में बाहर का रास्ता दिखाया गया है। नीतीश अब तक पार्टी को जोड़े रखने में सफल रहे हैं, लेकिन उन्होंने किसी उत्तराधिकारी को तैयार नहीं किया, और यही कमी अब उनके जाने के बाद सबसे बड़ा संकट बनेगी।

2025 का बिहार विधानसभा चुनाव हाल के चुनावों में सबसे अप्रत्याशित चुनाव बनने जा रहा है। नीतीश के धीरे-धीरे पीछे हटने से राजनीति का स्थिर केंद्र खत्म हो रहा है और अब हर खिलाड़ी अपने दांव-पेच आजमा रहा है।

भाजपा विस्तार और कब्जे की दौड़ में है। जदयू अस्तित्व और पुनर्निर्माण की लड़ाई में है और छोटी पार्टियां इस उथल-पुथल में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में हैं।

जो भी इस दौड़ में जीतेगा, वह न सिर्फ सत्ता संभालेगा बल्कि भारत के सबसे जटिल और खंडित राजनीतिक परिदृश्य में गठबंधन राजनीति का नया नमूना भी पेश करेगा। और इस बार, पिछले चुनावों के विपरीत, न उम्मीदवारों को न विश्लेषकों को, किसी को नहीं पता कि फिनिश लाइन सबसे पहले कौन पार करेगा।

# जैश का महिलाओं के लिए ऑनलाइन जिहादी कोर्स

नयी दिल्ली 22 ,अक्टूबर। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन जिहादी कोर्स तुफात अल-मुमिनात शुरू किया है जिसका नेतृत्व आतंकवादी

- **आतंकवादी मसूद अजहर की बहनें और उमर फारुक की पत्नी कोर्स का नेतृत्व करेंगी।**

मसूद अजहर की बहनें और उमर फारूक की पत्नी करेंगी। जैश ने इस कोर्स के प्रत्येक प्रतिभागी के लिए 500 रुपये का चंदा निर्धारित किया है। कुछ समय पहले ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा आंतकवादी संगठन घोषित और पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित जैश-ए-मोहम्मद एक महिला ब्रिगेड तैयार कर रहा है और इसे जमात उल-मुमिनात नाम दिया है। अब मीडिया में सामने आए नये दस्तावेज़ों और विवरण से पता चला है कि आतंकी समूह ने धन इकट्ठा करने और अपनी महिला ब्रिगेड में अधिक से अधिक महिलाओं की भर्ती करने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है।

# वन क्षेत्र में भारत विश्व में 9 वें स्थान पर

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारत ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और कुल वन क्षेत्र के मामले में देश विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर पहुंच गया है।

इंडोनेशिया के बाली में खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के जारी वैश्विक वन संसाधन आकलन (जीएफआरए), 2025 के अनुसार भारत ने वन क्षेत्र के मामले में यह अहम मुकाम हासिल किया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में इस प्रगति का ब्योरा साझा किया। यादव ने कहा, " यह सभी भारतीयों के लिए खुशी का एक कारण है।"

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908